R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 186
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 16 मार्च, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित
डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

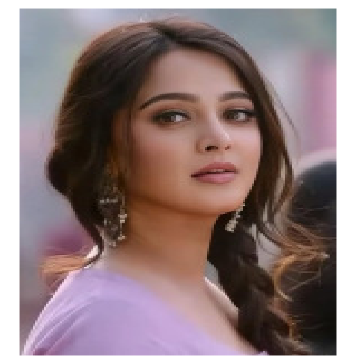

3 बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान | 5 सीएमओ ने किया निरीक्षण गंदगी मिलने पर कार्रवाई | 7 'बाहुबली' की देवसेना बनेंगी दुल्हन! अनुष्का ...

असम को 2092 करोड़ की सौगात
गुवाहाटी से गरजे अमित शाह, कांग्रेस पर लगाए घोटाले के गंभीर आरोप

गुवाहीटी **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को असम के गुवाहाटी में कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने 15 साल के शासन के दौरान राज्य के स्वास्थ्य बजट से हर साल 150 करोड़ रुपये का गबन किया। शाह ने करीब 2, 092 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए कहा कि कांग्रेस केवल अपने नेताओं के परिवारों की भलाई के लिए काम करती रही, जबकि भाजपा समाज के हर वर्ग को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी कड़ी आलोचना

की। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहने के दौरान प्रदर्शन करना सही है, लेकिन इसके लिए एक मर्यादा होनी चाहिए। शाह ने राहुल गांधी के संसद की सीढ़ियों पर बैठकर चाय-पकौड़ा खाने और हालिया एआई शिखर सम्मेलन में विरोध प्रदर्शन के तरीके को गलत बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि संसद लोकतंत्र की पवित्र जगह है और राहुल गांधी को यह तक नहीं पता कि नाश्ता कहां करना चाहिए। शाह के अनुसार, राहुल गांधी के ऐसे कामों से देश की छवि खराब होती है।

अमित शाह ने गुवाहाटी में 675 करोड़ रुपये की लागत से बने 'प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल' का उद्घाटन किया। यह शहर का दूसरा बड़ा सरकारी मेडिकल कॉलेज है। इसके अलावा, उन्होंने गोलाघाट और तिनसुकिया में नए कैंसर केंद्रों की शुरुआत की। शाह ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा की तारीफ करते हुए कहा कि आज असम की चिकित्सा सुविधाएं गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे विकसित राज्यों के बराबर पहुंच गई हैं।

दौरे के दौरान गृह मंत्री ने कई नए अस्पतालों का शिलान्यास भी किया। इनमें दीफू (220 करोड़), जोरहाट (310 करोड़) और बारपेटा (284 करोड़) में बनने वाले सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल शामिल हैं। साथ ही, गुवाहाटी में 218 करोड़ की लागत से 'स्वास्थ्य भवन' और अभयपुरी में 115 करोड़ का नया जिला अस्पताल बनाया जाएगा। अमित शाह का पिछले चार महीनों में यह चौथा असम दौरा है, जिसे आगामी चुनावों के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं रद्द! युद्ध की आग में झुलसा बोर्ड एग्जाम! एजुकेशन बोर्ड ने पश्चिम एशिया में रद्द कीं 12वीं की परीक्षाएं!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच जारी भीषण संघर्ष की आंच अब शिक्षा क्षेत्र तक पहुंच गई है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने रविवार को एक आपातकालीन घोषणा करते हुए पश्चिम एशिया के प्रभावित देशों में कक्षा 12वीं की बाकी बची सभी बोर्ड परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। यह निर्णय उन हज़ारों छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया है, जो युद्ध की विभीषिका के बीच परीक्षा केंद्रों तक पहुँचने में असमर्थ हैं। इस फैसले का असर बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त 150 से ज़्यादा स्कूलों के छात्रों पर पड़ेगा।

1 मार्च के बाद से अपने छठे सर्कुलर में, सीबीएसई ने साफ किया कि जो पेपर पहले टाले गए थे, वे भी अब रद्द माने जाएंगे। 16 मार्च से 10 अप्रैल, 2026 के बीच होने वाली परीक्षाएं अब नहीं होंगी। बोर्ड ने कहा कि वह प्रभावित छात्रों के रिजल्ट घोषित करने के तरीके के बारे में बाद में जानकारी देगा।

सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने बताया कि यह फैसला परीक्षा कराने की संभावना की समीक्षा करने और प्रभावित देशों के स्कूलों और अधिकारियों से मिली राय पर विचार करने के बाद लिया गया है।

खाड़ी देशों में भारत के राजदूतों और दुबई में भारत के महावाणिज्य दूत को इस बारे में सूचित कर दिया गया है, ताकि उचित तालमेल सुनिश्चित किया जा सके।

12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी को शुरू हुई थीं। पश्चिम एशिया में 1 मार्च को पेपर टाले जाने से पहले, भौतिकी, रसायन विज्ञान, भूगोल और लेखाशास्त्र जैसे कई विषयों की परीक्षाएं सफलतापूर्वक हो चुकी थीं। इससे पहले, सीबीएसई ने 5 मार्च को इस क्षेत्र में 10वीं कक्षा की बाकी सभी परीक्षाएं भी रद्द कर दी थीं।

इस फैसले का असर खाड़ी देशों में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले हज़ारों भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। इनमें दुबई, अबू धाबी, दोहा और रियाद जैसे बड़े केंद्र शामिल हैं। कुल मिलाकर, इस साल सीबीएसई की परीक्षाओं के लिए 43.7 लाख से ज़्यादा छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें से लगभग 25.1 लाख छात्र 10वीं कक्षा के और 18.6 लाख छात्र 12वीं कक्षा के थे।

5 राज्यों के विधानसभा चुनाव का ऐलान अप्रैल में मतदान; 4 मई को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत निर्वाचन आयोग 15 मार्च (रविवार) को शाम 4:00 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार, मतदान 9 अप्रैल को शुरू होगा और वोटों की गिनती 4 मई को होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव एक ही चरण में 9 अप्रैल को होंगे। तमिलनाडु में मतदान 23 अप्रैल को होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे, जिसमें मतदान 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को निर्धारित है। आयोग ने बताया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

यहाँ चुनाव कार्यक्रम का पूरा विवरण दिया गया हैः

1. असम - मतदान की तिथि - 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई

2. तमिलनाडु - मतदान की तिथि - 23 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई

3. पश्चिम बंगाल - मतदान की तिथि - 23 अप्रैल (पहला चरण), 29 अप्रैल (दूसरा चरण); मतगणना की तिथि - 4 मई

4. केरल - मतदान की तिथि - 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई

5. पुडुचेरी - मतदान की तिथि - 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई

इसके अलावा चुनाव आयोग ने बताया कि असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव कराने के लिए लगभग 25 लाख चुनाव अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इन कर्मियों में मतदान कर्मचारी, सुरक्षा बल और प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे, जो चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को संभालने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो।

चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव वाले पाँच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 2.19 लाख से ज़्यादा मतदान केंद्र बनाए जाएँगे। अधिकारियों ने बताया कि मतदाताओं के लिए मतदान को सुलभ और सुचारू बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। मतदान केंद्रों की यह बड़ी संख्या, अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में होने वाली इस चुनावी प्रक्रिया के विशाल पैमाने को दर्शाती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग, मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को मज़बूत करने के लिए, 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

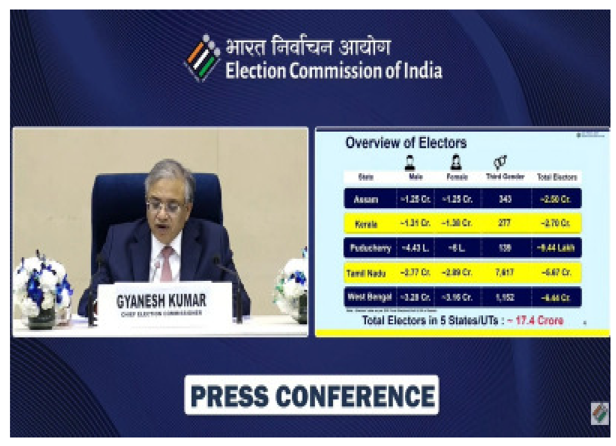

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले चुनावों को 20 से ज़्यादा देशों के चुनाव आयोगों के प्रतिनिधि भी देखेंगे। इन प्रतिनिधियों को भारत में चुनावों के 'उत्सवपूर्ण, पारदर्शी और कुशल' संचालन को देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पाँच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के पैमाने के बारे में बताया, और इस पूरी प्रक्रिया को 'चुनावों का त्योहार' कहा। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि इन चुनावों में 824 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 17.4 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे, जिससे यह देश की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रियाओं में से एक बन जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि आने वाले विधानसभा चुनावों में सभी के लिए पहुँच और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर इंतज़ाम किए जाएँगे। साथ ही, उन्होंने मतदाताओं की विविधतापूर्ण प्रोफ़ाइल पर भी रोशनी डाली।

कुमार ने कहा, 'आपको हमारे मतदाताओं की श्रेणियों का अंदाज़ा देने के लिए बता दूँ कि असम, केरल, यहाँ तक कि पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में हमारे पास 100 साल से ज़्यादा उम्र के, यानी शतायु मतदाता भी हैं। 85 साल से ज़्यादा उम्र के मतदाताओं की संख्या भी अच्छी-खासी है... कुल मिलाकर 2.18 लाख पोलिंग स्टेशन बनाए जाएँगे। इनमें से ज़्यादातर ग्रामीण इलाकों में होंगे। हर मतदाता के लिए औसत संख्या 750 से 850 के बीच होगी, और किसी भी हाल में यह 900 से ज़्यादा नहीं होगी। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मॉडल पोलिंग स्टेशन बनाए जाएँगे। कुछ पोलिंग स्टेशन खास तौर पर महिलाओं द्वारा संचालित होंगे। सभी पोलिंग स्टेशनों पर 100ः वेबकास्टिंग की जाएगी। और कुछ पोलिंग स्टेशन हमारे दिव्यांग भाई-बहनों द्वारा भी संचालित किए जाएँगे।'

हैदराबाद ड्रग्स केस
टीडीपी सांसद और बीआरएस के पूर्व विधायक फार्महाउस से हिरासत में, रिवॉल्वर से चली गोलियां

तेलंगाना। हैदराबाद के मोइनाबाद स्थित एक फार्महाउस में चल रही हाई-प्रोफाइल पार्टी पर पुलिस और टास्क फोर्स की छापेमारी ने दक्षिण भारत की राजनीति में तूफान ला दिया है। इस मामले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सांसद पुट्टा महेश कुमार और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी सहित छह लोगों को नशीले पदार्थों के सेवन के आरोप में हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हैदराबाद के पास मोइनाबाद स्थित रोहित रेड्डी के स्वामित्व वाले एक फार्महाउस में नशीले पदार्थों का इस्तेमाल किए जाने की विश्वसनीय सूचना मिलने पर मादक पदार्थ कानून प्रवर्तन के लिए विशिष्ट कार्य बल (ईगल) ने स्थानीय पुलिस दलों के साथ समन्वय कर शनिवार रात वहां छापा मारा।

हिरासत में लिए गए लोगों में से एक व्यक्ति ने पार्टी के दौरान रिवॉल्वर से हवा में कथित तौर पर तीन गोलियां चलाईं। पार्टी में शामिल हुए 11 व्यक्तियों की 'यूरीन ड्रग टेस्टिंग किट' के जरिए मौके पर ही जांच की गई और उनमें से रोहित शेट्टी समेत पांच लोगों के मादक पदार्थ का सेवन करने की पुष्टि हुई जबकि सांसद की जांच के परिणाम में इसकी पुष्टि नहीं हुई है। ईगल बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन सभी लोगों को अस्पताल ले जाया गया और दोबारा जांच किए जाने पर परिणामों ने पुष्टि की कि सांसद सहित छह लोगों ने नशीले पदार्थों का सेवन किया है।

अधिकारी ने कहा, ''सांसद की प्रारंभिक जांच में उनके मादक पदार्थ लेने की पुष्टि नहीं हुई थी लेकिन खून की जांच में इसकी पुष्टि हो गई।'' यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि उन्होंने मादक पदार्थों का सेवन फार्महाउस परिसर में किया था या किसी अन्य स्थान पर किया था। अधिकारी ने बताया कि पार्टी से दो ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया है और उसे फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेजा गया है।

उन्होंने बताया कि यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि यह मादक पदार्थ कहां से लाया गया था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस पार्टी में रियल एस्टेट कारोबारियों, व्यवसायियों तथा राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का एक समूह शामिल हुआ था। पार्टी में शामिल लोगों में एक महिला भी शामिल थी। पुलिस ने बताया कि हथियार को जब्त कर लिया गया है।

ममता सरकार ने खोला खजाना
पश्चिम बंगाल के पुजारियों-मुअज्जिनों का भत्ता 4 गुना बढ़ा, डीए पर अच्छी खबर

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से ठीक पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के कर्मचारियों और धार्मिक गुरुओं के लिए बड़ी घोषणाएं की हैं। राज्य सरकार ने लंबे समय से लंबित महंगाई भत्ते के बकाये को चुकाने और पुजारियों व मुअज्जिनों के मासिक भत्ते में वृद्धि करने का फैसला लिया है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए इसे अपनी सरकार द्वारा वादा निभाने वाला कदम बताया है।

राज्य सरकार ने घोषणा की है कि 'आरओपीए-2009' के तहत जो महंगाई भत्ता बकाया था, उसका भुगतान मार्च 2026 से चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। इस फैसले का सीधा फायदा राज्य के लाखों सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों, स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मिलेगा। साथ ही पंचायत, नगर पालिका और अन्य स्थानीय निकायों के स्टाफ को भी इस दायरे में शामिल किया गया है। वित्त विभाग ने इसके लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य के आध्यात्मिक और सामाजिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुजारियों और मुअज्जिनों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है। अब तक उन्हें मिलने वाले 500 रुपये के मासिक मानदेय को बढ़ाकर सीधा 2, 000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। ममता बनर्जी ने बताया कि मानदेय में 1, 500 रुपये की यह वृद्धि तत्काल प्रभाव से लागू होगी। साथ ही, जिन नए पुजारियों और मुअज्जिनों ने आवेदन किया था, उन्हें भी सरकार ने मंजूरी दे दी है।

ममता बनर्जी ने लिखा कि उन्हें ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने पर गर्व है जहां हर समुदाय और परंपरा का सम्मान किया जाता है। हालांकि, चुनाव की तारीखों के ऐलान से ठीक पहले किए गए इन ऐलानों को विपक्षी दल 'चुनावी दांव' करार दे रहे हैं। सरकार का कहना है कि यह कदम उन वादों को पूरा करने की दिशा में है जो कर्मचारियों और विभिन्न समुदायों से किए गए थे। इस फैसले से राज्य के करीब 20 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली को मिलेगा सुपर मेडिकल हब; सीएम रेखा गुप्ता ने एम्स की तर्ज़ पर एक इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट बनाने की घोषणा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली सरकार ने दिल्ली के कुछ प्रमुख सरकारी मेडिकल संस्थानों गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, और राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल को मिलाकर, उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की तर्ज़ पर एक एकीकृत स्वायत्त संस्थान के रूप में विकसित करने का फ़ैसला किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, इसके साथ ही, इंस्टीट्यूट ऑफ़ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज़ को भविष्य में निमहंस -2 के रूप में विकसित किया जाएगा, जो मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरोसाइंस के लिए एक प्रमुख राष्ट्रीय केंद्र होगा।

इस प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए हाल ही में दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान, राजधानी के प्रमुख सरकारी मेडिकल संस्थानों को एकीकृत करके एक मज़बूत और आधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसका मुख्य ज़ोर मौजूदा संसाधनों के बेहतर उपयोग और दिल्ली में विश्व-स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास पर था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत बनाने के लिए उपलब्ध संसाधनों का वैज्ञानिक और कुशल उपयोग ज़रूरी है। सीएमओ के अनुसार, सीएम गुप्ता ने कहा, 'विभिन्न संस्थानों को एकीकृत करने से डॉक्टरों, विशेषज्ञों, मेडिकल उपकरणों और बुनियादी ढाँचे का बेहतर उपयोग हो सकेगा, और साथ ही यह भी सुनिश्चित होगा कि मरीज़ों को अधिक व्यवस्थित और उन्नत उपचार मिल सके।' बैठक में अस्पतालों में बिस्तरों की मौजूदा क्षमता और मरीज़ों के बढ़ते दबाव की भी समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने बताया कि राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की कुल क्षमता 650 बिस्तरों की है, लेकिन फ़िलहाल वहाँ केवल लगभग 250 बिस्तर ही चालू हैं, जिससे लगभग 400 बिस्तर बेकार पड़े हैं। दूसरी ओर, दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और जीटीबी अस्पताल, दोनों ही अपनी क्षमता से कहीं ज़्यादा मरीज़ों का बोझ संभाल रहे हैं। जीटीबी अस्पताल, जिसकी मूल क्षमता लगभग 1, 400 बिस्तरों की है, फ़िलहाल 1, 500 से ज़्यादा बिस्तरों के साथ काम कर रहा है।

गुप्ता ने कहा कि एक बार जब ये संस्थान आपस में जुड़ जाएँगे, तो सुपर-स्पेशियलिटी सेवाएँ अस्पतालों के बीच ज़्यादा व्यवस्थित तरीके से बाँटी जाएँगी, जिससे यह पक्का होगा कि मरीज़ों को सबसे सही विशेषज्ञ देखभाल मिले। सीएमओ के अनुसार, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, रूमेटोलॉजी और क्लिनिकल हीमेटोलॉजी जैसी सेवाओं को और मज़बूत करेगा।

दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट कैंसर देखभाल का मुख्य केंद्र बन जाएगा, जहाँ रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, पैलिएटिव केयर और रेडियो-इमेजिंग जैसी सेवाएँ एक जगह इकट्ठा की जाएँगी। गुरु तेग बहादुर हॉस्पिटल ऑर्थोपेडिक्स, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, एंडोक्रिनोलॉजी और ऑप्थल्मोलॉजी जैसे मुख्य विभागों को मज़बूत करना जारी रखेगा। समीक्षा में यह भी पता चला कि कई अस्पतालों के पास पहले से ही आधुनिक मेडिकल उपकरण मौजूद हैं, लेकिन विशेषज्ञ कर्मचारियों की कमी और संसाधनों के बिखरे होने के कारण, उनकी पूरी क्षमता का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है।

राजीव गांधी हॉस्पिटल में आधुनिक ब्रोंकोस्कोपी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जबकि दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में रेडियोथेरेपी के लिए इस्तेमाल होने वाला लीनियर एक्सीलरेटर मौजूद है। राजीव गांधी हॉस्पिटल में कैथ लैब और इको लैब की सुविधाएँ भी हैं, जबकि जीटीबी हॉस्पिटल में बोन बैंक है। इस एकीकृत प्रणाली के तहत, सरकार का लक्ष्य इन महँगी मेडिकल तकनीकों के बीच बेहतर तालमेल और उनका सही इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। सीएम ने कहा कि इस पहल का व्यापक लक्ष्य दिल्ली में विश्व-स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ बनाना और राजधानी को देश में मेडिकल उत्कृष्टता का एक प्रमुख केंद्र बनाना है।

कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग
राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुजन आंदोलन के प्रमुख नेता कांशीराम की जयंती के अवसर पर पत्र लिखकर उनको मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की मांग की है। श्री राहुल गांधी ने अपने पत्र में कहा कि सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन चेतना के मार्गदर्शक मान्यवर कांशीराम जी ने भारतीय राजनीति की प्रकृति को बदलने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने दलितों, वंचितों और गरीब तबकों में राजनीतिक चेतना जगाई और उन्हें यह अहसास कराया कि उनका वोट, आवाज़ और प्रतिनिधित्व बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने लिखा कि कांशीराम जी ने अपना पूरा जीवन संविधान द्वारा वादा किए गए समानता, गरिमा और भागीदारी के सिद्धांतों को समाज के सबसे निचले पायदान तक पहुंचाने के लिए समर्पित किया। उनके प्रयासों से भारतीय लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुईं और राजनीति अधिक प्रतिनिधिक और न्यायपूर्ण बनी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि कई वर्षों से दलित बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता और नेता कांशीराम जी को भारत रत्न देने की मांग करते रहे हैं। हाल ही में लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में भी इस मांग को जोरदार तरीके से दोहराया गया, जो व्यापक जनभावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कांशीराम जी को मरणोपरांत भारत रत्न प्रदान करना उनके महान योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने के साथ-साथ उन करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं को भी सम्मान देगा जो उन्हें सशक्तिकरण और उम्मीद के प्रतीक के रूप में देखते हैं। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से इस मांग पर गंभीरता से विचार करने की अपील की है।

टूटे रिश्तों को जोड़ा परामर्श ने परिवार परामर्श केंद्र ने कराया नौ मामलों में सुलह

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में संचालित परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने शनिवार को नौ फाइलों की काउंसलिंग की, जिसमें एक दंपती के बीच सफल सुलह-समझौता कराया गया।

ज्ञात हो कि काउंसलिंग के दौरान पति-पत्नी व उनके परिजनों की सहमति से दोनों पक्षों को उनके पारिवारिक कर्तव्यों का बोध कराते हुए समझाया गया। दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि अब उनके बीच किसी प्रकार का मनमुटाव नहीं रहा और वे आपसी सहमति से नए सिरे से जीवन आरंभ करना चाहते हैं। परिवार परामर्श केंद्र ने दोनों पक्षों को

सलाह दी कि वे अपने से बड़ों का सम्मान करते हुए जीवन की नई शुरुआत करें।

बुद्धभूमि के इफ्तार से सौहार्द का संदेश पूरी दुनिया में फैलता है : मणेन्द्र मिश्रा

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के समाजवादी शिक्षक सभा सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा द्वारा शोहरतगढ़ विधानसभा के बढ़नी तिराहे पर पिछले वर्षों की तरह इस बार भी रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, रोजेदार मुस्लिम भाई एवं हिंदू समाज के लोगों सहित शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में गणमान्य जनता उपस्थित रही। मणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि सिद्धार्थनगर तथागत बुद्ध स्थली है यहां से पूरी दुनिया में शांति,मानवता और सामाजिक सौहार्द का संदेश जाना चाहिए। रमजान के महीने में इफ्तार का आयोजन इसी दिशा में एक पहल है।

नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने सभी से अमन/चैन के साथ एक दूसरे की मदद की अपील किया। पूर्व सांसद कुशल तिवारी ने कहा कि भारत की परंपरा सर्वधर्म समभाव की है इसे मजबूत करना चाहिए।

इफ्तार पार्टी में पूर्व विधायक अनिल सिंह,प्रदेश सचिव अजय चौधरी,विधायक प्रतिनिधि डुमरियागंज जहीर मलिक, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मुरली धर मिश्रा, डॉ सरफराज अंसारी, एवं जयकरन गौतम, प्रदेश सचिव राम मिलन भारती,जिला महासचिव कमरुज्जमा,जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक शकील शाह,जिला सचिव हरिराम यादव,प्रदेश सचिव जावेद खान, मसूद खान, डॉ शराफुद्दीन, इफ्तिखार मैनेजर,पूर्व

चेयरमैन निसार बागी, पूर्व प्रमुख जाकिर हुसैन, डॉ इस्तहाक़, राष्ट्रीय सचिव अल्पसंख्यक इब्राहिम बाबा,जिला अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ गोपाल फौजी,राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा अजय चौरसिया, जोन प्रभारी राकेश दूबे, अकील अहमद उर्फ मुन्नू,सभासद निजाम एवं निसार,सेक्टर प्रभारी हरिनाथ यादव,सेक्टर प्रभारी शफात,विधानसभा अध्यक्ष इटवा बबलू खान, ब्लॉक अध्यक्ष इटवा सुनील यादव,मुस्तफा, जहीर नेता ,प्रधान गयासुद्दीन,सोनू यादव जिला सचिव, राकेश कुमार, मुजम्मिल प्रधान, प्रधान सईद आलम दुधवनिया,शादाब,इरशाद, शफीक, वाहिद, डॉ मोईन, मारूफ खान, मतलूब खान,अब्दुल मन्नान, जलाल,फैजान, करतब यादव, डॉ खालिद आदि शामिल रहे।

मिशन शक्ति फेज-5.0 – कौशाम्बी में महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत जनपद के विभिन्न थानों की मिशन शक्ति टीम एवं अवैध रोमियो दल द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को व्यापक रूप से जागरूक किया गया।

ज्ञात हो कि अभियान के दौरान गुड टच-बैड टच, बाल विवाह रोकथाम, आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। शासन द्वारा संचालित प्रमुख सहायता नंबरों – 112, 1090, 181, 1098, 1930 – की जानकारी देते हुए किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। थाना महेवाघाट, चरवा, पिपरी, पश्चिम शरीरा, कड़ाधाम तथा सराय अकिल क्षेत्रों में यह अभियान संचालित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

सरसों चोरी के शक में हुई हत्या 72 घंटे में मंझनपुर पुलिस ने किया अज्ञात हत्या का खुलासा, तीन गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में मंझनपुर पुलिस ने चक खुदायगंज में हुई अज्ञात हत्या का महज 22 घंटे में सफल खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ़्तार कर लिया।

ज्ञात हो कि 12 मार्च 2026 को थाना मंझनपुर क्षेत्र के ग्राम चक खुदायगंज के बाहर राम मूरत विश्वकर्मा (55) निवासी चक खुदायगंज का शव मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मुकदमा संख्या 101/26 धारा 103(1)/238 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अभियोग पंजीभूत कर विवेचना प्रारंभ की। साक्ष्य संकलन, पूछताछ और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के आधार पर तीन अभियुक्तों – रामदास पटेल निवासी दलोली थाना सोराँव जनपद प्रयागराज, राम किशोर प्रजापति निवासी सोनैली थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी तथा मनमोहन सिंह राजपूत निवासी पितांबरपुर थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी – को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि सरसों चोरी के संदेह को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें आरोपी रामदास ने क्रोधवश चूल्हे पर रखे गरम तवे से राममूरत पर प्रहार किया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद तीनों ने मिलकर शव खेत में फेंक दिया। पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तवा, मृतक की चप्पल, गमछा तथा रक्तरंजित कमीज बरामद की है। तीनों अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह एवं उनकी टीम की पुलिस अधीक्षक ने मुक्त कंठ से सराहना की है।

घरेलू गैस की कालाबाजारी पर शिकंजा जांच टीमों ने 8 रेस्तरां व ढाबों पर मारी छाप

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। घरेलू गैस सिलेंडरों की जमाखोरी, कालाबाजारी व अवैध बिक्री रोकने के उद्देश्य से जनपद में विभिन्न स्थानों पर जांच टीमों द्वारा रेस्तरां, ढाबों व ठेलों पर छापेमारी की गई।

ज्ञात हो कि घरेलू गैस का वाणिज्यिक उपयोग करने वाले प्रतिष्ठानों – जसलोक फास्टफूड सेंटर मंझनपुर चौराहा, के.जी.एन. रेस्तरां करारी रोड मंझनपुर, शिवा फास्टफूड करारी रोड मंझनपुर, केशरवानी नाश्ता भंडार करारी रोड मंझनपुर, आलम मुरादाबादी चिकन बिरयानी करारी रोड मंझनपुर, केशरवानी फास्टफूड, आयुष केसरवानी स्वीट हाउस सैयद सरावां तथा ओम स्वीट हाउस इमामगंज चौराहा – नी छापेमारी की गई। इन प्रतिष्ठानों से 7 खाली व 1 भरा गैस सिलेंडर जब्त करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। जिला पूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से तहसील स्तर पर राजस्व विभाग, पूर्ति विभाग एवं बाट माप विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की टीमें उपखंड अधिकारियों के नेतृत्व में गठित की गई हैं, जो गैस सिलेंडरों की जमाखोरी, कालाबाजारी व अवैध बिक्री रोकने के लिए भ्रमणशील रहकर प्रभावी कार्रवाई कर रही हैं।

साक्षरता की नई उड़ान उल्लास परीक्षा में जनपद के 4700 से अधिक प्रौढ़ नागरिक हुए शामिल

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। शिक्षा विभाग द्वारा साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को उल्लास नव भारत साक्षरता परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद भर से 4700 से अधिक प्रौढ़ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ज्ञात हो कि परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जनपद के 400 विद्यालयों में परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे, ताकि प्रत्येक प्रतिभागी को निकटतम स्थान पर ही परीक्षा का अवसर मिल सके। परीक्षा में प्रतिभागियों की पढ़ने, लिखने और बुनियादी गणना से संबंधित क्षमताओं का आकलन किया गया। परीक्षा समाप्त होते ही उसी दिन केंद्र पर मूल्यांकन कर लिया गया, ताकि परिणाम शीघ्र तैयार किए जा सकें। सफल अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान की ओर से बुनियादी साक्षरता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. कमलेंद्र कुशवाहा ने बताया कि उल्लास – नव भारत साक्षरता कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है। दीक्षा पोर्टल और उल्लास मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं में शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। जनपद के प्रबुद्ध नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हैं और लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एंव समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा की व्यवस्था का निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा अभिषेक महाजन द्वारा उ0 प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एंव समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 की प्रथम पाली की परीक्षा को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने हेतु परीक्षा सेंटर बुद्ध विद्यापीठ पीजी कॉलेज, नौगढ़, सिद्धार्थनगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एंव समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 की प्रथम पाली की परीक्षा को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने हेतु परीक्षा सेंटर सिंहेश्वरी इण्टर कालेज में ड्यूटी में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

मथुरापुर गांव में गूँजी शहनाइयाँ प्रभु श्रीराम और माता सीता का विवाह हुआ संपन्न

सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी तहसील क्षेत्र के ग्राम मथुरापुर में रामकथा के आयोजन में कथा ब्यास शिवकुमार शास्त्री द्वारा रामकथा के पांचवें दिन भगवान राम सीता का विवाह महोत्सव बड़े ही धूमधाम से हुआ जिसमें अयोध्या धाम से पधारे बाबा बालक दास के यजमान ग्राम प्रधान दुर्योधन राजभर के साथ गांव के श्रद्धालुओं ने राम सीता विवाह के आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । कथा के माध्यम से त्रेतायुग की सबसे भव्य और दिव्य घटना आज साकार हुई, जब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और जनकनंदिनी माता सीता का विवाह संपन्न हुआ। इस अलौकिक विवाह का साक्षी न केवल मिथिला और अयोध्या के वासी बने, बल्कि समस्त देवलोक से पुष्प वर्षा कर देवताओं ने भी अपना आशीर्वाद दिया। शिव धनुष का खंडन विवाह का मार्ग महाराजा जनक द्वारा आयोजित 'धनुष यज्ञ' से प्रशस्त हुआ। आर्यावर्त के कई पराक्रमी राजा जिस 'पिनाक' धनुष को हिला तक न सके, उसे ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा पाकर राजकुमार राम ने सहज ही उठा लिया। जैसे ही उन्होंने प्रत्यंचा चढ़ाई, धनुष भीषण गर्जना के साथ दो टुकड़ों में टूट गया। इसी के साथ सीता जी ने श्रीराम के गले में जयमाला डालकर उन्हें अपना पति चुना। ग्राम प्रधान दुर्योधन राजभर द्वारा भव्य बारात और स्वागत राजा दशरथ अपने चारों पुत्रों की बारात लेकर अयोध्या से जनकपुर पहुँचे। मिथिला की परंपरा के अनुसार, माता सुनयना और राजा जनक ने बारातियों का भव्य स्वागत किया। बारात में ऋषि-मुनि, अयोध्या के नागरिक और चतुरंगिणी सेना शामिल थी। बाबा बालक दास द्वारा

विवाह मंडप को दिव्य मणियों और सुगंधित पुष्पों से सजाया गया था। कुलगुरु वशिष्ठ और शतानंद जी के सानिध्य में वेदोक्त मंत्रोच्चार के बीच पाणिग्रहण संस्कार संपन्न हुआ। बाबा बालक दास के सानिध्य में ग्राम प्रधान दुर्योधन राजभर ने अत्यंत भावुक होकर जानकी का हाथ श्रीराम को सौंपा। राम विवाह के आयोजन में चारों भाइयों का विवाह संपन्न हुआ।मिथिला में विदाई का दृश्यविवाह के उपरांत जब चारों वधुएँ अयोध्या के लिए विदा हुईं, तो पूरा मिथिलांचल भावुक हो उठा। विदाई के समय सखियों ने मंगल गान गाए और जनकपुर वासियों ने भारी मन से अपनी लाडली 'वैदेही' को विदा किया।

मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा ग्राम नचनी में महिलाओं को अपराध से बचाव के प्रति जागरूकता

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बाँसी शुभेंदु सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य थाना शिवनगर डिडई के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के ग्राम नचनी में मिशन शक्ति /साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण,साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

स्वच्छता ही सेवा

कौशाम्बी पुलिस ने रविवार को चलाया जनपदव्यापी सफाई अभियान

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों, पुलिस चौकियों एवं पुलिस कार्यालयों में व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया।

ज्ञात हो कि रविवार को पुलिसकर्मियों ने स्वयं श्रमदान करते हुए थाना परिसर, कार्यालय भवन, अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात एवं आवासीय परिसरों की गहन साफ-सफाई की। कूड़े-करकट का समुचित निस्तारण कर समस्त परिसरों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित किया गया। अभियान का उद्देश्य पुलिस विभाग में स्वच्छ, अनुशासित एवं सकारात्मक कार्य वातावरण स्थापित करना तथा 'स्वच्छता ही सेवा' के संदेश को आत्म

सात करना है। इस अवसर पर सभी पुलिसकर्मियों ने अपने कार्यस्थल एवं आसपास नियमित स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया तथा आमजन को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है, अतः सभी थाना एवं कार्यालय परिसरों को सदैव साफ-सुथरा रखा जाए। उल्लेखनीय है कि यह स्वच्छता अभियान प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है।

पतंग के चक्कर में गुल हुई बिजली

प्रयागराज। मधवापुर में रविवार शाम पतंग के चक्कर में कई मोहल्लों की बिजली गुल हो गई। बैरहना, मधवापुर और तुलरामबाग इलाके में एक घंटे से अधिक समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बताया जा रहा है कि मधवापुर में रविवार शाम को एक पतंग के कारण ट्रांसफार्मर में लगी बुशिंग फट गई। इससे शाम पांच बजे के बाद बिजली आपूर्ति बाधित हुई। इसके ठीक करने लगे ताकि तभी एक और फॉल्ट सामने आया। इसके बाद आपूर्ति बाधित हुई। शाम साढ़े छह बजे के बाद बिजली आपूर्ति बहाल हुई।

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा तथा थानाध्यक्ष चंद्रकांत पाण्डेय थाना त्रिलोकपुर के कुशल नेतृत्व में थानाक्षेत्र के ग्राम रतनपुर मे मिशन शक्ति उप निरीक्षक कृष्ण कुमार पाण्डेय,उप निरीक्षक तालीमुद्दीन खान, हेड कांस्टेबल धनंजय दूबे टीम साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण,साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन,101अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

गैस आपूर्ति की व्यवस्था को सुचारु एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। जनपद में आमजन को गैस आपूर्ति की व्यवस्था को सुचारु एवं पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा उत्तमा गैस सर्विस, नौगढ़ सिद्धार्थनगर का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा गैस एजेंसी में उपलब्ध व्यवस्थाओं, अभिलेखों तथा उपभोक्ताओं को दी जा रही सेवाओं का गहनता से अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने गैस सिलेंडरों के भंडारण स्थल का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गैस एजेंसियों पर सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता तथा उनकी कार्यशीलता की भी जांच की और निर्देश दिया कि सभी उपकरण हमेशा कार्यशील स्थिति में रखें जाएं। जिलाधिकारी ने एजेंसी में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं, जैसे प्रतीक्षालय, पेयजल, शिकायत पंजी तथा वितरण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एजेंसी संचालक को निर्देशित करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को समय से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। यदि ऐसी शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने गैस वितरण से संबंधित अभिलेखों की जांच की और उपभोक्ताओं की बुकिंग, डिलीवरी एवं स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अभिलेखों को अद्यतन रखा जाए तथा वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखी जाए। निरीक्षण के दौरान उपस्थित उपभोक्ताओं से भी जिलाधिकारी ने बातचीत की और गैस आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. ने एजेंसी संचालक को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को समयबद्ध एवं सुगम तरीके से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को भी किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

2027 में सपा की साइकिल पंचर कर कार्यकर्ता उन्हें सैफेई भेजने का काम करेगा : केशव प्रसाद मौर्य

जब कमल का बटन दबता है, तो समाजवादी पार्टी की माफियागिरी, गुंडागर्दी, का अंत होता है

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी गंगा पार जमुना पार एवं महानगर प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में होली के अवसर पर बसंतोत्सव एवं कार्यकर्ता मिलन का आयोजन परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने

भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह भरते हुए होली की शुभकामनाएं दी और ललकारते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का यह जन सैलाब 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की साइकिल पंचर कर उन्हें सैफई भेजने का काम करेगा और प्रयागराज के सभी 12 सीटों पर प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलाएंगे उन्होंने कहा सपा मुखिया अखिलेश यादव 2022 की तरह ही मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखते रह जाएंगे और भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के दम पर 2017 का इतिहास दोहराएंगे उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एलपीजी गैस बुकिंग को लेकर सिर्फ दुष्प्रचार कर रहे हैं और कुछ नहीं जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युद्ध के समय भी ईरान के रास्ते से एलपीजी गैस और क्रूड ऑयल हमारा तिरंगा लहराते हुए बड़े शान से आ रहा है उन्होंने आगे कहा कि 2025 की लोकसभा चुनाव में दुष्प्रचार फैलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार सत्ता में रोकने के लिए संविधान का सहारा लेकर दुषप्रचार किया और कुछ हद तक वह सफल हो पाए लेकिन कार्यकर्ताओं की मेहनत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और कांग्रेसियों को 100 सीटों का आंकड़ा भी प्राप्त नहीं करने दिया आगे उन्होंने कहा सपा और कांग्रेस को हम ललकार कर कहते हैं भारतीय जनता पार्टी संविधान की पुजारी है और आरक्षण का समर्थन है और जो अधिकारी सपा का एजेंट बनकर संविधान और आरक्षण के खिलाफ काम करेगा तो उसकी जांच बैठाएंगे और उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारत विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है एक ऐसा भारत बन रहा है जो

किसी देश को छेड़ता नहीं लेकिन कोई हमें छेडेगा तो हम उसे छोड़ेंगे भी नहीं और जब जरूरत पड़ेगी तो हम फिर से सर्जिकल स्ट्राइक एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर करने से नहीं चूकेंगे क्योंकि हमारे लिए देश प्रथम है बाद में दल है उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है देश के गरीबों को अमीर बनना, सशक्त और समृद्धशाली और विकसित भारत बनाना और जब तक गरीबों को हम अमीर नहीं बनाएंगे तब तक भारत विकसित भारत नहीं बन पाएगा इसलिए भारतीय जनता पार्टी की केंद्र प्रदेश की सरकार गरीबों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है और यही कारण है देश प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को चुन रही है उन्होंने कहा अभी पिछले वर्षों में पांच राज्य के चुनाव हुए जिसमें चार राज्यों में कमल खिला और आगे होने वाले पांच राज्यों के चुनाव में हम सरकार बनाने जा रहे हैं हम असम में तीसरी बार कमल खिलाने जा रहे हैं कोई पश्चिम बंगाल में भी अब कमल खिलेगा और तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी बड़ी पार्टी के रूप में उभरने वाली है और आगे कहा कि देश की जनता का विश्वास मोदी जी के साथ और भाजपा के कमल बटन के साथ है क्योंकि जब कमल का बटन दबता है गरीबों को विकास होता है, समृद्धि साली और विकसित भारत का निर्माण होता है, जब कमल का बटन दबता है गरीबों को उजाला गैस का फ्री कनेक्शन मिलता है, और में बैंक में अकाउंट खुलता है, और सौभाग्य योजना के अंतर्गत फ्री में बिजली कनेक्शन और आयुष्मान योजना के अंतर्गत निशुल्क इलाज मिलता है और कहा कि जब कमल का बटन दबता है अयोध्या में राम मंदिर , काशी में काशी कारीडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, चित्रकूट धाम, श्रृंगवेरपुर, विंध्याचल कॉरिडोर, बनता है और जब कमल खिलता है प्रयागराज में दिव्या भाव कुंभ का आयोजन होता है जिसमें 66 करोड़ लोग आकर स्नान करते हैं, और जब कमल खिलता है धारा 370 हटा है और एक देश में एक निशान एक प्रधान और एक विधान लागू होता है कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपनी कार्यकर्ताओं के बल पर पूरे पूर्वांचल में भगवा रंग की होली का उत्सव मना रही है और कहा कि आगामी 2027 के चुनाव की तैयारी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता कर लें और पूर्वांचल के सभी सीटों पर कमल खिलाने के लिए तैयार हो जाए।

इस अवसर कार्यक्रम के संयोजक महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता गंगा पार अध्यक्ष निराला पासवान यमुना पार जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कार्यकर्ताओं के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बड़ी माला पहनाकर स्वागत किया मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर प्रख्यात लोक गायक कैलाश खेर और भोजपुरी गायक एवं सांसद मनोज तिवारी ने अपने गीतों की शानदार प्रस्तुति कर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया, कार्यक्रम में सांसद प्रवीण पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह , महापौर गणेश केसरवानी, क्षेत्रीय प्रभारी उत्तर मौर्य, क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता , कमलेश गौतम, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, केसरी देवी पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, हर्षवर्धन बाजपेई, राजमणि कोल, पीयूष रंजन निषाद, दीपक पटेल, पूजा पाल, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, केपी सिंह, पूर्व महापौर अभिलाष गुप्ता नदी, पूर्व विधायक उदयभान करवरिया, भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, दिलीप चतुर्वेदी, बृजेश त्रिपाठी एवं पार्षदगण और हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसान से 50 हजार की लूट को पुलिस ने बताया फर्जी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थाना क्षेत्र में किसान से हुई 50 हजार की लूट को पुलिस ने फर्जी बताया है। रहिमापुर निवासी राम खेलावन कुशवाहा ने शिकायत की थी कि शुक्रवार शाम सहसों-झूंसी मार्ग पर पल्सर सवार बदमाशों ने उनसे लूटपाट की। उन्होंने बेटे की 21 अप्रैल को होने वाली शादी के लिए रुपये उधार लिए थे। रहिमापुर चौकी इंचार्ज जयराम सरोज ने टीम के साथ जांच की। थाना प्रभारी झूंसी महेश मिश्रा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं दिखी। न ही किसी स्थानीय व्यक्ति ने घटना की पुष्टि की। इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

23 जोड़ों ने लिए सात फेरे, गूंजे मंगलगीत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कल्याणी लोक सेवा समिति की ओर से रविवार को पथरचट्टी रामलीला कमेटी रामबाग में सर्व जातीय सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर 23 जोड़ों ने सात फेरे लिए। मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी, समिति की संस्थापिका रूपाली अवस्थी व समिति के पदाधिकारियों ने वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया।

महापौर ने कहा कि सनातन धर्म में कन्या दान सर्वश्रेष्ठ दान माना गया है। दहेज की बढ़ती मांग के कारण गरीब माता-पिता अपनी बेटियों की शादी करने में असमर्थ हो रहे हैं। इसलिए सामूहिक विवाह के पुनीत कार्य में सबका सहयोग जरूरी है। समारोह में बारात नहीं निकाली गई, लेकिन परिसर में सजे मंडप में वर-वधू ने विधिविधान से आचार्यों के सानिध्य में सात फेरे लिए। विवाह के समय रामलीला कमेटी के भव्य मंच पर महिलाओं ने पुष्प वर्षा की और संगीतमय मंगल गीत गाए। समिति की ओर से वर-वधू को गृहस्थी की सामग्री भेंट की गयी। आभार ज्ञापन रूपाली अवस्थी, संयोजन कोषाध्यक्ष सचिन निषाद ने किया। समारोह में विनती अग्रवाल, सरिता सिंह, ज्योति जायसवाल, सुमन सिंह, रचना मिश्रा, रानी केसरवानी, निखिल, कृष्णा पंडित, विष्णु देव मिश्रा, प्रेम श्रीवास्तव, डॉ. बीके कश्यप, अजय अग्रहरि, दीपमाला, डॉ. सतीश वैद्य, नितिन सचदेवा, अतुल खन्ना, अंजनी कुमार, एचडी हुसैन, उमंग ग्रोवर, रौनक गुप्ता, मनीष त्रिपाठी, दुर्गेश कुमार गुप्त, वैष्णवी अवस्थी, विद्या अवस्थी, आकाश कुमार, संजय केसरवानी आदि का सहयोग रहा।

नेक रास्ते पर चलने की प्रेरणा देता है रोजा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माह-ए-रमजान में रविवार को 25वां रोजा अमन के साथ मुकम्मल हो गया। शहर की छोटी-बड़ी मस्जिदों में रोजेदारों ने नमाज, तिलावत और इबादत की। मस्जिदों के साथ घरों में भी कुरआन पाक की तिलावत की गई। पुरुषों के साथ महिलाएं भी इबादत में हिस्सा लेने के साथ घर और बाजार की जिम्मेदारी निभा रही हैं। शहर के करेली, रोशनबाग, चौक में सामूहिक रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। डॉ. नाज फात्मा ने कहा कि रोजा इंसान को संयम और अनुशासन की सीख देता है और जिंदगी को नेक रास्ते पर चलाने की प्रेरणा देता है। अलविदा की नमाज के बाद से ही ईद की तैयारियां शुरू हो गयी हैं।

एक तरफ बाजार में रौनक है तो वहीं घरों व मस्जिदों में सजावट का काम तेज हो गया है। रसोई गैस की किल्लत के बीच तरह-तरह के पकवान बनाने के इंतजाम किए जा रहे हैं। मोहम्मद अस्करी ने बताया कि सामाजिक संस्था फात्मा वेलफेयर सोसाइटी की ओर से करेली में ईद के तहत प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस मौके पर प्रतिभागियों से धार्मिक, सांस्कृतिक के साथ सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे गए। विजेताओं को सेवई, खजूर और अन्य वस्तुएं उपहार में भेंट की गयी।

परीक्षार्थियों की भीड़ से ट्रेनों की आरक्षित बोगियां बन गईं जनरल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दरोगा भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को अभ्यर्थियों की भारी भीड़ के कारण कई ट्रेनों के स्लीपर और एसी कोच जनरल बोगी की तरह भर गए। यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा। कानपुर से आने वाली कई ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ रही। परेशान यात्रियों ने रेलवे के हेल्पलाइन नंबर और एक्स पर संदेश भेजकर शिकायत दर्ज कराई। कानपुर से आने वाली चौरी-चौरा एक्सप्रेस की स्लीपर बोगियों में भी भारी भीड़ रही। यात्री प्रिंस ने एक्स पर शिकायत करते हुए लिखा कि स्लीपर कोच को पूरी तरह जनरल बोगी बना दिया गया है। वहीं महाबोधि एक्सप्रेस से सफर कर रहे अशोक प्रसाद ने कहा कि स्लीपर कोच का हाल जनरल डिब्बों से भी बदतर हो गया है।

बीकानेर-हावड़ा एक्सप्रेस के यात्री अब्दुल अंसारी ने भी लिखा कि एसी बोगी तक में जनरल जैसी स्थिति बन गई है।रविवार शाम को प्रयागराज जंक्शन पर भीड़ और बढ़ने पर रेलवे प्रशासन ने बनारस के लिए ऑन-डिमांड स्पेशल ट्रेन चलाई। यह ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर छह से रात सवा आठ बजे रवाना की गई। प्रयागराज से जाने वालों के साथ ही कानपुर से आने वाले अभ्यर्थियों की संख्या भी काफी अधिक थी। रात में महाबोधि एक्सप्रेस के प्रयागराज पहुंचने पर चढ़ने-उतरने वालों की भारी भीड़ से अफरातफरी मच गई। इस पर आरपीएफ ने कतार लगवाकर यात्रियों को ट्रेन में चढ़ाया।मंडल पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए कानपुर से प्रयागराज के लिए दो स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया।उधर, प्रयागराज से प्रतापगढ़ मार्ग पर भी बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ गई। भीड़ को देखते हुए प्रतापगढ़ के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन करना पड़ा।

श्री संजय सिन्हा जी को मिलेगी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की कमान

प्रयागराज। कल दिनांक सोलह मार्च को उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ियाबाद में एक एतिहासिक जनसभा होनी जा रही है । इस मौके पर प्रसिद्ध समाजसेवी संजय सिन्हा जी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की कमान दी जाएगी । सूत्रो की मानें तो इसे एक तरह 2027 का राजनीतिक बिगुल माना जा रहा है । बता दे कि संजय सिन्हा उत्तर प्रदेश मैं आम जनता मैं काफ़ी लोकप्रिय है । ऐसे में क़यास लगाये जा रहे हैं कि उत्तर में आरपीआई की तरफ़ से बड़ा राजनीतिक धमाका किया जा रहा है ।

ब्राह्मण समाज के विशिष्ट जन किए गये सम्मानित शहर उत्तरी विधायक, पूर्व आईपीएस सहित अन्य हुए शामिल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्री कान्यकुब्ज ब्राम्हण सभा प्रयाग (पंजीकृत) की ओर से रविवार को स्वामी विवेकानंद विद्या आश्रम मालवीय मार्ग जार्जटाउन में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें ब्राम्हण समाज के वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया गया। प्रसिद्ध गायक संदीप दुबे एवं साथियों ने होली गीत, संगीत प्रस्तुत कर श्रोताओं ने बांधे रखा । अध्यक्षता अध्यक्ष विजय कुमार तिवारी ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी, विशिष्ट अतिथि पूर्व आईपीएस जुगुल किशोर तिवारी थे । अध्यक्ष विजय तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवराज पाठक, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक शैलेन्द्र अवस्थी ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से किया ।

इस अवसर पर विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी का परिचय देवराज पाठक ने दिया । श्री वाजपेयी को माल्यार्पण कर , साल ओढ़ाकर, प्रतीक चिन्ह और नारियल देकर अध्यक्ष श्री विजय तिवारी ने सम्मानित किया । विशिष्ट अतिथि श्री तिवारी का सम्मान संरक्षक् संरक्षक् शैलेन्द्र अवस्थी

ने माल्यार्पण कर सम्मानित किया। विधायक हर्षबाजपेयी ने अपने सम्मान होने पर प्रसन्नता व्यक्त की । उन्होंने कहा कि भावनाओं के रंग भी होते हैं। यह व्यक्ति पर चढ़ जाएं तो उसे पुलकित कर देते हैं। लाल, हरा, काला, पीला समेत अनेक रंगों को देखकर अच्छा लगता है। वहीं प्रेम का रंग, आत्मीयता का रंग, स्नेह का रंग, दया का रंग, सेवा का रंग, भक्ति का रंग, एकता का रंग, समरसता का रंग जैसे तमाम रंग अगर समाज पर चढ़ जाएं तो वह आदर्श बन जायेगा।

विशिष्ट अध्यक्ष जुगुल किशोर तिवारी ने कहा कि आज हमें एकता के रंगों को एक दूसरे पर मलने की आवश्यकता है। हमें ऐसे ही रंगों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। रंगों के त्योहार होली पर हमें यही संकल्प लेकर इस पर्व को सार्थक बनाने में जुटना चाहिए

विधायक बाजपेयी एवं पूर्व आईपीएस जुगुल किशोर तिवारी ने समाज के विशिष्ट जनो को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में वरिष्ठ समाजसेवी आनन्द प्रकाश दीक्षित, विधि साहित्यकार डा शैलेन्द्र अवस्थी, शंकर शरण त्रिपाठी, देशराज अवस्थी, श्रीमती उमा पाण्डेय, उदयभान अवस्थी, चन्द्रिका प्रसाद त्रिपाठी, दिनेश प्रकाश अग्निहोत्री, श्रीमती सरोज अग्निहोत्री, भोला नाथ तिवारी, लक्ष्मी शंकर पाण्डेय, आनंद स्वरूप त्रिपाठी, प्रेम शंकर शुक्ला, संचालन सीता शरण शास्त्री ने और धन्यवाद पं देवराज पाठक ने किया।

बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

प्रयागराज, थरवई। गोड़वा विद्युत उपकेंद्र से जुड़े तीन दर्जन से अधिक गांवों में इन दिनों अनियमित बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं। पिछले एक सप्ताह से क्षेत्र में सुबह और शाम अघोषित बिजली कटौती होने के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।क्षेत्र के जगदीशपुर, पूरे चंदा, थरवई बाजार, पंडिला, इस्माईलगंज, मनसेता, शाहजीपुर, बढ़नपुर समेत कई गांवों के लोगों का कहना है कि बिजली आपूर्ति का कोई निश्चित समय नहीं है। कभी सुबह तो कभी शाम को अचानक बिजली काट दी जाती है, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही हैग्रामीणों का कहना है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की समस्या और भी गंभीर हो गई है। अघोषित कटौती के कारण बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कामकाज और छोटे व्यवसाय भी प्रभावित हो रहे हैं। कई बार रात में भी बिजली गुल हो जाने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि बिजली आपूर्ति को नियमित किया जाए और अघोषित कटौती पर रोक लगाई जाए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

तीन दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण संपन्न

डॉ. रीना सिंह के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने सीखा अनुशासन और सेवा की सीख

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विकासखंड जसरा, तहसील बारा स्थित सरदार पटेल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण का नेतृत्व प्रशिक्षक डॉ. रीना सिंह ने किया। उनके मार्गदर्शन में स्काउट-गाइड, कब और बुलबुल के छात्र-छात्राओं को अनुशासन, सेवा भावना और आत्मनिर्भरता से जुड़े विभिन्न प्रशिक्षण दिए गए।प्रशिक्षण के दौरान डॉ. रीना सिंह ने विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड के नियम और प्रतिज्ञा, गांठबंधन, प्राथमिक उपचार एवं प्राथमिक चिकित्सा, ध्वज शिष्टाचार, पुल निर्माण बीपी-6 व्यायाम, टेंट निर्माण तथा बिना बर्तन भोजन बनाने जैसी उपयोगी गतिविधियों का अभ्यास कराया। इसके साथ ही झंडा गीत और प्रार्थना के माध्यम से बच्चों में देशभक्ति, सहयोग और नेतृत्व क्षमता का विकास करने पर विशेष जोर दिया गया।डॉ. रीना सिंह ने कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे उनमें अनुशासन, सेवा भावना, साहस और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है, जो उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।इस अवसर पर प्रशिक्षक अभिनव यदुवंशी और अनुपमा चौधरी ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों का व्यावहारिक अभ्यास कराया। प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रतिभागियोंकोस्काउट-गाइड की भावना के साथ समाज सेवा के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्पांजलि साहू सहित विद्यालय के तमाम शिक्षक शिक्षिकाएं कार्यक्रम में मौजूद रहे

नारी लीड्स स्वच्छता कार्यक्रम का समापन, महिला सफाई मित्रों का सम्मान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के निर्देशानुसार प्रयागराज नगर निगम द्वारा 08 मार्च से 14 मार्च 2026 तक चलाए गए 'नारी लीड्स स्वच्छता कार्यक्रम' के अंतिम दिवस पर नगर निगम मुख्यालय सभागार में महिला सफाई मित्र सुरक्षा शिविर एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन नोडल एवं सहायक नगर आयुक्त सुश्री दीपशिखा पांडे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में महिला सफाई मित्रों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह चिकित्सा शिविर नगर निगम कर्मचारी एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं पैथोहोम के तुषार जी के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 200 महिला कर्मचारियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही महिलाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के विषय में जागरूक भी किया गया।

द्वितीय सत्र में स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं सनातनी किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी द्वारा विभिन्न वार्डों से चयनित उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में महिला सफाई मित्रों के योगदान को सराहते हुए कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ शहर के निर्माण में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और समाज को उनके कार्यों का सम्मान करना चाहिए।

कार्यक्रम संयोजक एवं आईईसी हेड कृष्ण कुमार मौर्य ने बताया कि 08 मार्च से 14 मार्च तक पूरे शहर में नारी लीड्स स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान 3500 से अधिक महिलाओं को अभियान से जोड़ा गया तथा 25 से अधिक जन-जागरूकता सत्र आयोजित किए गए।

अभियान के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा शिविर, सेनेटरी पैड वितरण, स्वच्छ सारथी क्लब की सहभागिता, आरआरआर सेंटर का संचालन, राष्ट्रीय सेवा योजना की बालिकाओं एवं एनसीसी कैडेट्स की भागीदारी के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस अवसर पर नगर निगम प्रयागराज के साथ कार्यरत श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस, इंदौर से रोहित चंदेल, रजत जाटव, प्रति सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला सफाई मित्र एवं डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण एजेंसी से जुड़ी महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के अंत में अशोक पटेल द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

सम्पादकीय

खामेनेई की मौत पर मोदी की चुप्पी के कूटनीतिक मायने

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी ने कई तरह के राजनीतिक और कूटनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमरीका द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद भारत में ईरान के दूतावास ने दुनिया भर की सरकारों से आग्रह किया था कि वे अमेरिका-इजराइल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिए जाने की कड़ी निंदा करें। ईरानी दूतावास ने कहा था कि भारत स्थित इस्लामिक गणराज्य, ईरान का दूतावास दुनिया भर की आजाद और स्वतंत्रता की पक्षधर सरकारों से इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करने तथा अराजकता एवं आक्रामकता के सामने खामोश नहीं रहने का आह्वान करता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार की तरफ से निंदा का कोई बयान नहीं आया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है। सरकार का कहना है कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में बातचीत का रास्ता अपनाना जरूरी है। मोदी की तरफ से अपेक्षित बयान नहीं आने विपक्षी दल भड़क गए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या पर मोदी सरकार की 'चुप्पी' को लेकर कहा कि उनका यह रुख भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है।

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने याद दिलाया कि कैसे पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था, जो मई 2024 में अजरबैजान में एक हेलीकॉप्टर क्रैश में सात लोगों के साथ मारे गए थे। संजय सिंह ने कहा मोदी जी, आज क्या हुआ? आपने ईरान के प्रेसिडेंट की मौत पर राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। आप ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर एक भी शोक ट्वीट करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि इसके लिए अमेरिका जिम्मेदार है।

भारत का किसी एक देश के लिए यह दृष्टिकोण कोई अपवाद नहीं है, बल्कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति के सिद्धांतों के अनुरूप है– जटिल संघर्षों में प्रत्यक्ष गठबंधन से बचना और स्थिरता को प्राथमिकता देना है। भारत की प्रतिक्रिया कई वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के समान है, जिनमें से कई ने संवेदना व्यक्त करने या सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 सदस्यों में से बहुत कम देशों ने शोक व्यक्त किया। रूस, चीन, उत्तर कोरिया, इराक, तुर्की, पाकिस्तान और मलेशिया जैसे कुछ देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे निंदनीय बताया, जबकि चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने घटना को स्वीकार्य नहीं कहा। इराक में तीन दिन का शोक घोषित किया गया। हालांकि अधिकांश मुस्लिम बहुल देशों ने औपचारिक रूप से संवेदना व्यक्त नहीं की।

भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर संयम और संवाद की अपील की। साथ ही ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के सहयोगियों पर किए गए हमलों की आलोचना भी की गई। सरकार का कहना है कि भारत का रुख राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तय किया गया है। गौरतलब है कि खाड़ी देशों से भारत के द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन सरकार ने इसे साम्प्रदायिक रूप देने की बात से दूरी बनाए रखी है। ऐसा नहीं है कि भारत किसी देश के मामले में ऐसा स्टैंड पहली बार लिया हो, यह रुख पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर देखा गया है, जहां भारत ने सीधे बयान देने के बजाय संतुलित कूटनीतिक भाषा का उपयोग किया है।

भारत की अमरीका–ईरान युद्ध पर सतर्क भाषा रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे पूर्व के संकटों से बिल्कुल अलग है, जिनमें भारत ने प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच संबंधों को संतुलित करने का प्रयास किया था। दिलचस्प बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की फोन कॉल पर यूएई के बयान में कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसमें संकेत दिया गया था कि प्रधानमंत्री मोदी यूएई द्वारा जवाबी कार्रवाई में उठाए जाने वाले किसी भी कदम का समर्थन करते हैं। बयान में कहा गया था कि भारतीय प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात द्वारा अपनी संप्रभुता की रक्षा, अपनी सुरक्षा की सुरक्षा और अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे सभी उपायों में भारत की एकजुटता व्यक्त की। नेतन्याहू से बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने घटनाक्रम पर भारत की चिंताओं को व्यक्त किया और शीघ्र युद्धविराम का आह्वान किया।

जैव विविधता और टिकाऊ विकास : राजमार्गों पर अब दौड़ेंगी नहीं, भनभनाएंगी मधुमक्खियां

भारत में विकास की कहानी अक्सर सड़कों की लंबाई और गति से मापी जाती है। एक्सप्रेस-वे, चौड़ी होती राष्ट्रीय राजमार्गों की पट्टियां और तेज रफ्तार यातायात- ये सब मिलकर आधुनिक भारत के बुनियादी ढांचे की पहचान बन चुके हैं। हजारों किलोमीटर लंबे राजमार्गों ने व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय संपर्क को नई गति दी है, लेकिन इसके साथ ही प्राकृतिक आवासों की क्षति, पेड़ों की कटाई और जैव-विविधता पर दबाव भी बढ़ा है।

परागणकर्ता, विशेषकर मधुमक्खियां इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित जीवों में शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि अगर मधुमक्खियों की संख्या लगातार घटती रही, तो खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है, क्योंकि बड़ी संख्या में दुनिया की फसलें परागण पर निर्भर हैं। वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग (एक-तिहाई) हिस्सा सीधे तौर पर मधुमक्खियों और अन्य परागणकों पर निर्भर करता है। एक अध्ययन के अनुसार, परागण करने वाले कीटों की आबादी में काफी गिरावट आई है। इस बात की गंभीरता को देखते हुए देश के राजमार्ग अब केवल तेज रफ्तार यातायात की रेखाओं के समांतर धीरे-धीरे जैव विविधता के जीवित गलियारों में बदलने की दिशा में बढ़ रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे 'मधुमक्खी गलियारे' (बी-कारिडोर) विकसित करने की पहल जैव विविधता के संरक्षण की सोच का संकेत है। इस महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत 2026-27 तक लगभग चालीस लाख पेड़ और फूलदार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसका उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं के लिए सुरक्षित आवास बनाकर पारिस्थितिकी संतुलन को मजबूत करना है। बी-कारिडोर का मतलब है राजमार्गों के किनारे पेड़ों और फूलों की ऐसी हरित पट्टी, जो मधुमक्खियों के लिए खाद्य और आवास मार्ग का काम करे। यह पहल नीतिगत सोच में एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत है, जहां बुनियादी ढांचा केवल उपयोगिता नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन का हिस्सा भी माना जा रहा है।

पहले जहां सड़क किनारे पौधरोपण का उद्देश्य मुख्य रूप से सजावटी या धूल नियंत्रण तक सीमित रहता था, वहीं अब ध्यान स्थानीय पारिस्थितिकी के अनुकूल प्रजातियों के चयन पर दिया जा रहा है। राजमार्गों के किनारे सतत् हरित पट्टियां कई पर्यावरणीय लाभ देती हैं। पेड़-पौधे तापमान को नियंत्रित करते हैं, धूल और प्रदूषण को कम करते हैं तथा मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े पैमाने पर हरित पट्टियां सड़क किनारे सूक्ष्म जलवायु को संतुलित करती हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में तापमान का प्रभाव कम होता है।

दूसरी ओर, मधुमक्खी गलियारे का प्रभाव वास्तव में एक बहुस्तरीय परिवर्तन की संभावना को जन्म देता है, क्योंकि भारत में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग कृषि परिदृश्य से होकर गुजरते हैं। जब इन सड़कों के किनारे परागणकर्ता के अनुकूल पौधों और वृक्षों का रोपण किया जाता है, तो यह केवल हरियाली बढ़ाने का कार्य नहीं करता, बल्कि एक जीवित पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करता है, जो आसपास के खेतों से सीधे जुड़ जाता है।

सबसे पहला प्रभाव कृषि उत्पादकता पर दिखाई देता है। मधुमक्खियां और अन्य परागणकर्ता पौधों के प्रजनन की प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाते हैं, जिससे फसलों में दानों का भराव, फल का आकार, बीज की गुणवत्ता और कुल उपज बढ़ती है। सरसों, सूरजमुखी, सेब, आम, टमाटर, कद्दू वर्गीय सब्जियां और कई तिलहन फसलें ऐसी हैं, जिनकी उत्पादकता परागण की उपलब्धता से सीधे प्रभावित होती है। जब परागणकर्ता लगातार उपलब्ध रहते हैं, तो किसानों को रासायनिक खाद और कीटनाशकों को बढ़ाने की आवश्यकता कम पड़ती है और प्राकृतिक उत्पादकता चक्र मजबूत होता है।

दूसरा महत्त्वपूर्ण पहलू गुणवत्ता का है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि पर्याप्त परागण होने पर फलों का आकार अधिक समान होता है, उनका पोषण मूल्य बेहतर होता है और बाजार में उनकी कीमत भी अधिक मिलती है। इस तरह मधुमक्खी गलियारा अप्रत्यक्ष रूप से किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर सकता है। तीसरा आयाम ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। अगर इस पहल को योजनाबद्ध तरीके से मधुमक्खी-पालन से जोड़ा जाए, तो यह दोहरी आय का ढांचा बन सकता है।

राजमार्ग के किनारे विकसित पुष्प संसाधन मधुमक्खियों के लिए निरंतर भोजन उपलब्ध कराते हैं, जिससे शहद उत्पादन बढ़ सकता है। स्थानीय किसान या स्वयं सहायता समूह शहद, मधुमोम और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के माध्यम से अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकते हैं। इसके अलावा, यह पहल पारिस्थितिकी की स्थिरता को भी मजबूत करती है। परागणकर्ताओं की संख्या बढ़ने से जैव विविधता में वृद्धि होती है, क्योंकि इनके साथ-साथ पक्षी, तितलियां और अन्य कीट भी आकर्षित होते हैं। इससे खेतों और आसपास के परिदृश्य में प्राकृतिक संतुलन बेहतर होता है और कीट प्रबंधन में भी अप्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

व्यापक सामाजिक-आर्थिक महत्त्व के लिहाज से देखें तो मधुमक्खी गलियारा पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ कृषि, ग्रामीण रोजगार और जैव विविधता- इन चारों को जोड़ने वाला एक समेकित ढांचा बन सकता है, जो भविष्य की हरित अवसंरचना की दिशा भी तय करता है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं को निरंतर भोजन और आश्रय उपलब्ध कराना है। इसके लिए राजमार्गों के किनारे ऐसी वनस्पति लगाई जाएगी जिसमें साल भर फूल आते रहें।

इस योजना में नीम, पलाश, जामुन और अन्य स्थानीय फूलदार पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें फूलदार पौधों को लगभग पांच सौ मीटर से एक किलोमीटर की दूरी पर लगाया जाएगा, ताकि मधुमक्खियों की उड़ान दूरी के भीतर लगातार भोजन स्रोत उपलब्ध रहे। हालांकि, मधुमक्खी गलियारे की सफलता केवल पौधे लगाने से तय नहीं होगी। इसकी असली चुनौती दीर्घकालिक रखरखाव में है। सड़क किनारे पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई, चराई से संरक्षण और कीटनाशकों के सीमित उपयोग जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी।

इसके अलावा, स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्त्वपूर्ण है। अगर ग्रामीणों, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय प्रशासन को इस पहल से जोड़ा जाए, तो इसकी स्थिरता और प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। यह पहल दरअसल एक महत्त्वपूर्ण विचार की ओर संकेत करती है। ऐसा विकास प्रारूप, जिसमें प्रकृति और बुनियादी ढांचा, आपस में विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हों। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अगर सड़क किनारे फूलों पर मंडराती मधुमक्खियां दिखाई दें, तो वह दृश्य केवल सुंदर नहीं होगा। वह इस बात का संकेत होगा कि विकास की दिशा में हम एक अधिक संतुलित और टिकाऊ रास्ता चुन रहे हैं।

आने वाले वर्षों में यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा कि मधुमक्खी गलियारे की पहल कितनी व्यापक रूप से लागू होती है और इसके परिणाम कितने सकारात्मक और प्रभावी होते हैं। अगर इसे वैज्ञानिक योजना, स्थानीय ज्ञान और सामुदायिक भागीदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत में हरित बुनियादी ढांचे का एक उदाहरण बन सकता है। इस पहल का असली मूल्य पर्यावरणीय आंकड़ों से आगे उस दृष्टि में है, जिसमें सड़कें केवल शहरों और बाजारों को नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्रों को भी जोड़ती हैं। राजमार्गों की गूंज के बीच मधुमक्खियों की भनभनाहट इस ओर इंगित करती है कि प्रगति का सबसे टिकाऊ रास्ता वही है, जिसमें जीवन के सभी रूपों के लिए जगह हो।

बहस का गिरता स्तर : समाधान का जरिया या सिर्फ ऊर्जा की बर्बादी?

मनुष्य हमेशा एक ही भाव में मुश्किल से ही दिखता है। वह कभी खुश कभी नाखुश है। कभी मुखर तो कभी मौन। कभी चुस्त-दुरुस्त तो कभी आलसी और सुस्त। कभी स्वस्थ तो कभी अस्वस्थ। कभी कंजूस तो कभी खर्चीला। यह इंद्रधनुषी रंग हर जगह देखने को मिल जाते हैं। इसे हर कोई स्वीकार भी कर लेता है।

एक कहावत भी है कि इंसान अपने वातावरण के जैसा ही बन जाता है। रोजाना महसूस हो रही जीवनशैली की उजली-धुंधली चित्रकारी आदमी के मन में बैठकर उसका व्यवहार बनने लगती है।

इसीलिए एक आदत आजकल के लोगों में बहुतायत से देखने को मिल रही है। वह है बात-बात पर बहस और नाहक वाद-विवाद। हर बात पर तकरार का संस्कार सब पर हावी होता जा रहा है।

अगर आभासी दुनिया की बात की जाए, तो वहां भी हालात इसी तरह के हैं। एक ने सोशल मीडिया पर अपनी वाल कुछ लिखा, तो दूसरे को अखर जाता है। तीसरा उस पर खुलेआम अपशब्द लिख देता है। चौथा तो पांच, छह, सात अपनी ही मानसिकता वालों को आवाज देकर बुलाता है। उसके बाद गरमागरम बहस और तानेबाजी चल पड़ती है।

जमीन के जगत में आप रेलगाड़ी में यात्रा कर रहे हों, तो चार लोग बिना बात के ऊल-जलूल बोलने लगते हैं। आभासी दुनिया का ज्ञान उलीचने लगते हैं। चारों तरफ से बहस ही बहस हो रही होती है। सड़क पर, बस, मेले, जुलूस में या किसी सामाजिक समारोह में, हर जगह यह आम बात होती जा रही है। वहीं ऐसे भी लोग हैं जो अपने घर में मौनी साधक बनकर चुप बैठे रहते हैं, लेकिन घर की चारदिवारी से बाहर निकलकर वे लोग भी अपने दिमाग का तरकश लेकर तैयार रहते हैं और फिर बातों के तीर चलाने से जरा भी बाज नहीं आते हैं। यानी हर जगह हर किसी को बहस करना तथा उलझना मजेदार लगने लगा है।

दरअसल, टीवी बहसों ने भी लोगों को झगड़ालू-सा बना दिया है। आजकल चैनलों की बाढ़ इस कदर आ गई है कि कोई व्यक्ति इनकी भाषा और बोली से अछूता नहीं रहा है। परिणाम यह है कि अब हर किसी को औरों से तीखी बात करने में अपने सामने वाले से नोकझोंक करने में ही बहुत रस आने लगा है। न जाने यह कौन-सा तनाव है, उलझन है, बेचैनी है कि लोग बात-बात पर बहस करने लगते हैं। एक दिन तो एक चौराहे पर एक कूरियर वाला संबंधित पते पर गया। उसने पार्सल देते हुए बस इतना ही कहा कि 'ओटीपी' दीजिए। इस पर पार्सल लेने वाले ने कहा कि हां-हां, मुझे भी मालूम हैष्ठ ज्यादा मत बोलो। और बस इसी बात पर देखते ही देखते दोनों की गरमागरम बहस शुरू हो गई और आखिर ओटीपी कूरियर वाले को नहीं मिला। कूरियर वाला पार्सल वापस लेकर चला गया। इसी तरह, एक कस्बे की बारात में एक नकचढ़े बाराती की पसंद का गीत न बजाने पर इतनी बहस हुई कि गाली-गलौज से नाराज और रूठे हुए बैंडवाले वापस चलते बने। मुहूर्त चला जा रहा था, दूसरे बैंडवाले खाली नहीं थे, तो बाकी बारात ऐसे ही खामोश होकर गई। जरा-सी बात ने यह हालत कर दी। फिर बहस इस बात पर खड़ी हो गई कि यह भी क्या कोई बहस वाली बात थी!

देखा जाए तो बहस करना इतना बुरा नहीं है। कितनी ही बार चिकित्सक से समुचित बात करने के बाद कितने ही लोग अनावश्यक सर्जरी से खुद को बचा पाए हैं। वे चिकित्सीय रिकार्ड के साथ यह सार्वजनिक रूप से बताते भी हैं कि उस संवेदनशील पल में तकरार और झगड़ा न किया होता, तो आठ-दस लाख का आपरेशन हो जाता, जिसकी वास्तव में इतनी भी जरूरत नहीं थी।

घर-परिवार में कोई प्रतिभावान बालक या बालिका अगर बहस न करे, तो अपनी इच्छानुसार करिअर नहीं चुन सकता। रोजमर्रा की जिंदगी में भी देख सकते हैं कि मनमानी करने वाले दुकानदार से बराबर बहस करनी होती है, तब जाकर उचित मूल्य पर मनचाही वस्तु खरीदी जाती है। मगर साथ ही यह भी सच है कि बेकार और बेमतलब की बहस या तकरार का कोई हासिल नहीं होता।

बहस करने वाला अपनी ऊर्जा भी खर्च करता है और बेवकूफ भी साबित होता है। खासतौर पर अगर बहस खुद को बाकी लोगों से बढ़कर दिखाने की भूख न हो। बहस अगर सफाई अभियान के लिए, नशामुक्ति के लिए हो, निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए हो, अपने अवगुण खत्म करने के लिए हों, तब बहस का कोई मतलब समझ में भी आता है। हम बेमानी बहसों में उलझने के बजाय सार्थक मुद्दों और सही समय का चुनाव कर सकते हैं, जिसमें बहस करने के बाद कुछ हासिल हो।

मगर बेवजह की बहस में उलझना हमेशा ही नुकसानदेह ही साबित होता है। महान दार्शनिक सोफोक्लीज अपने अनुयायियों को वाद-विवाद और बहस से बचने का पाठ हमेशा पढ़ाया करते थे। सोफोक्लीज के मुताबिक, बहस का असली कारण अपनी कमजोरी छिपाना और दूसरे को अपराधी या दोषी ठहराना होता है। महात्मा गांधी सही मामले के लिए उपयुक्त बहस के पक्षधर थे। बहस को शुरू करना अंगारों पर चलने के बराबर है, इसलिए जुबान खोलते समय सतर्क और जागरूक रहना चाहिए।

अगर इतिहास के पन्नों को खंगाला जाए तो मुल्ला नसरुद्दीन, अकबर के प्रिय बीरबल और तेनालीराम लचीली बहस करने में माहिर थे। यानी बहस ऐसी हो कि बात-विचार भी हो जाए और बिना विवाद के मसले का हल भी निकल आए। यानी सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

ट्रंप के 'फ्रेंडली टेकओवर' प्लान ने दुनियाभर में मचाया हड़कंप!

वेनेजुएला-ईरान के बाद अब इस देश से अमेरिका करेगा 64 साल पुराना हिसाब बराबर

मिडिल ईस्ट के युद्ध का आज तेरहवां दिन है। लेकिन 2026 ऐसा साल बन चुका है जहाँ एक संकट खत्म नहीं होता कि दूसरा सामने खड़ा मिल जाता है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या अगला मोर्चा क्यूबा बनने वाला है? डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है। ट्रंप इसे 'फ्रेंडली टेकओवर' यानी शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन बता रहे हैं। लेकिन जमीन पर जो हालात बन रहे हैं, वो किसी भी तरह से शांतिपूर्ण नहीं दिखते। जनवरी से अमेरिका ने क्यूबा पर जो आर्थिक घेराबंदी शुरू की है, उसका असर अब साफ दिखने लगा है। पिछले महीने एक चौंकाने वाली बात सामने आई। क्यूबा को एक भी बैरल तेल नहीं मिला। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कई हवाई जहाज़ क्यूबा में उतरने से बच रहे हैं, क्योंकि वहाँ उन्हें वापस उड़ान भरने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा। अस्पतालों ने भी मजबूरी में गैर-जरूरी ऑपरेशन और इलाज रोक दिए हैं। लेकिन यहाँ एक बड़ा सवाल भी है। पिछले 50 सालों से बार-बार कहा गया कि क्यूबा की सरकार गिरने वाली है, लेकिन हर बार यह भविष्यवाणी गलत साबित हुई। अब जब अमेरिका पहले से ही मिडिल ईस्ट के युद्ध में उलझा हुआ है, तो क्या वाकई वह क्यूबा में नया सैन्य मोर्चा खोल सकता है? आज हम अमेरिका और क्यूबा के रिश्तों का एमआरआई स्कैन करेंगे। ये कब बिगड़ने शुरू हुए, क्या ये हमेशा से ऐसे थे? मौजूदा स्थिति क्या है?

जनवरी में जब क्यूबा की स्थिति पर चर्चा हुई थी, तब मामला वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी से जुड़ा था। उस समय भी क्यूबा की हालत बहुत खराब थी। रोज़ लंबे ब्लैकआउट, चरमराती अर्थव्यवस्था और कई बार पूरे देश का बिजली ग्रिड गिर जाना। सरकार हर बार किसी तरह अस्थायी मरम्मत करके स्थिति संभाल रही थी। लेकिन असली झटका तब लगा जब वेनेजुएला से आने वाला तेल बंद हो गया। यहीं से क्यूबा की ऊर्जा संकट की असली शुरुआत हुई। दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल मैक्सिको क्यूबा का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया था। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाम ने कहा था कि वे पहले से हुए तेल समझौतों को निभाएँगी। उन्होंने इसे मानवीय और संप्रभुता का मामला बताया था। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाम ने कहा था कि वे पहले से हुए तेल समझौतों को निभाएँगी। उन्होंने इसे मानवीय और संप्रभुता का मामला बताया था। लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिका की रणनीति साफ दिख रही है। क्यूबा के पास आने वाला हर डॉलर, हर बैरल तेल और हर रास्ता बंद कर देना।

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के एकलौते राष्ट्रपति नहीं हैं जो क्यूबा पर सख्त हो रहे हैं। क्यूबा और अमेरिका के बीच की दुश्मनी कई दशकों पुरानी है। 1898 में अमेरिका ने स्पेन को हराया। जिसके बाद स्पेन ने क्यूबा पर अपने सभी दावों को छोड़ दिया। इसे अमेरिका को सौंप दिया। साल 1902 में क्यूबा स्वतंत्र हुआ और टॉमस इस्ट्राडा पाल्मा इसके पहले राष्ट्रपति बने। लेकिव प्लैट संशोधन के कारण द्वीप अमेरिकी संरक्षण में रहा और इसके कारण अमेरिका को क्यूबाई मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार मिला। कुछ साल बाद क्यूबा की राजनीति फिर उथल-पुथल में फँस गई। राष्ट्रपति इस्ट्राडा को इस्तीफा देना पड़ा और होजे मिगुएल गोमेज़ के नेतृत्व में हुए विद्रोह के बाद अमेरिका ने क्यूबा में हस्तक्षेप कर दिया। इसके बाद 1909 में अमेरिका की निगरानी में चुनाव कराए गए, जिनमें होजे मिगुएल गोमेज़ राष्ट्रपति बने। लेकिन उनका कार्यकाल भी विवादों से घिर गया और उन पर जल्द ही भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे। 1912 में जब क्यूबा में नस्लीय भेदभाव के खिलाफ़ अश्वेत समुदाय ने विरोध प्रदर्शन शुरू किए, तो हालात संभालने के लिए अमेरिकी सेना एक बार फिर क्यूबा में उतरी और आंदोलन को दबाने में मदद की। इसके कुछ साल बाद, 1933 में क्यूबा की राजनीति में एक और बड़ा मोड़ आया। सेना के अफसर फुलगेन्सियो बतिस्ता के नेतृत्व में तख्तापलट हुआ और तत्कालीन राष्ट्रपति जेरार्डो मचाडो को सत्ता से हटा दिया गया। बतिस्ता का शासन लंबे समय तक चला, लेकिन इसके खिलाफ असंतोष बढ़ता गया। 1953 में फ़िदेल कास्त्रो ने बतिस्ता सरकार के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत की, हालांकि यह पहली कोशिश सफल नहीं हो पाई। विदेश नीति के विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और क्यूबा के बीच असली टकराव की शुरुआत 1959 में हुई। उसी साल फ़िदेल कास्त्रो की क्रांति सफल हुई और उन्होंने अमेरिका समर्थित सरकार को सत्ता से हटा दिया। शुरुआत में अमेरिका ने कास्त्रो की नई सरकार को स्वीकार कर लिया था। लेकिन हालात तब बदलने लगे जब क्यूबा ने अमेरिका के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी सोवियत संघ से रिश्ते मजबूत करने शुरू किए और उसके साथ व्यापार बढ़ाया। इसके साथ ही क्यूबा सरकार ने अमेरिकी कंपनियों की संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले लिया और अमेरिकी उत्पादों पर भारी टैक्स लगा दिया। यहीं से दोनों देशों के रिश्तों में गहरी दरार पड़ गई और अमेरिका-क्यूबा दुश्मनी की नींव मजबूत हो गई।

1961 में अमेरिका ने क्यूबा में फ़िदेल कास्त्रो की सरकार गिराने के लिए एक बड़ा सैन्य अभियान चलाया। इस ऑपरेशन को इतिहास में 'बे ऑफ़ पिग्स इनवेज़न' के नाम से जाना जाता है। अमेरिका ने कास्त्रो सरकार के विरोध में मौजूद क्यूबाई विद्रोहियों और निर्वासित लोगों को सैन्य प्रशिक्षण, हथियार और आर्थिक मदद दी। योजना यह थी कि ये विद्रोही क्यूबा में हमला करेंगे और जनता का समर्थन मिलते ही कास्त्रो की सरकार गिर जाएगी। लेकिन यह योजना पूरी तरह फेल हो गई। इस असफलता की एक बड़ी वजह यह भी थी कि अमेरिका की ओर से वादा की गई हवाई सहायता समय पर नहीं पहुंच सकी। उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी थे और इस नाकामी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की छवि को बड़ा झटका लगा। इस घटना के बाद क्यूबा ने अपनी सुरक्षा के लिए सोवियत संघ से नज़दीकियां और बढ़ा लीं। सोवियत संघ को क्यूबा में गुप्त रूप से परमाणु मिसाइलें तैनात करने की अनुमति दे दी गई। अक्टूबर 1962 में अमेरिकी जासूसी विमानों ने इन मिसाइलों का पता लगा लिया। इसके बाद अमेरिका और सोवियत संघ के बीच तनाव अचानक बहुत बढ़ गया और दुनिया परमाणु युद्ध के बेहद करीब पहुंच गई। करीब 13 दिनों तक चले इस संकट के बाद आखिरकार सोवियत नेता निकिता ख्रुश्चेव ने क्यूबा से मिसाइलें हटाने पर सहमति दे दी। क्यूबा के आम लोगों ने विद्रोहियों का साथ नहीं दिया और कास्त्रो की सेना ने बेहद तेजी से जवाबी कार्रवाई की। सिर्फ तीन दिनों के भीतर ही इस पूरे अभियान को कुचल दिया गया। इसके बदले में अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी ने क्यूबा पर हमला न करने का वादा किया और साथ ही तुर्की में तैनात अमेरिकी मिसाइलें हटाने पर भी सहमति दी। पेटागन की बेस स्ट्रक्चर रिपोर्ट और कुछ स्वतंत्र सैन्य विशेषज्ञों के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका के पास दुनिया का सबसे बड़ा विदेशी सैन्य नेटवर्क है। पेंटागन आधिकारिक तौर पर केवल प्रमुख चेसों की गिनती बताता है। इनकी संख्या करीब 200 के आसपास हो सकती है। लेकिन यदि छोटे पैड्स और लॉजिस्टिक ठिकानों को जोड़ लिया जाए तो विदेशों में यह संख्या 600 के पार पहुंच जाती है। ये बेस दुनिया के लगभग 80 देशों और क्षेत्रों में फैले हुए हैं। सबसे ज्यादा बेस जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया में हैं।

इसके बाद अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बने और उनका पहला कार्यकाल शुरू हुआ। ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बराक ओबामा सरकार के ज़्यादातर फैसलों को पलट दिया। उन्होंने क्यूबा पर फिर से सख्ती बढ़ा दी।

क्यूबा की सेना से जुड़ी कंपनियों के साथ व्यापार पर रोक लगा दी गई, अमेरिकी नागरिकों के अकेले क्यूबा यात्रा करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया, और क्रूज़ जहाज़ों के साथ-साथ ज़्यादातर उड़ानों को भी बंद कर दिया गया। 2019 में ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा को फिर से आतंकवाद का समर्थन करने वाला देश घोषित कर दिया। इसी दौरान एक और रहस्यमयी मामला सामने आया। क्यूबा में तैनात अमेरिकी और कनाडाई दूतावास के कई कर्मचारियों को अजीब तरह की स्वास्थ्य समस्याएँ होने लगीं। कुछ लोगों को सुनाई देना कम हो गया, तो कुछ को गंभीर दिमाग़ी परेशानी होने लगी। बाद में इस रहस्यमयी बीमारी को 'हवाना सिंड्रोम' नाम दिया गया। इसके बाद जो बाइडन अमेरिका के राष्ट्रपति बने। बाइडन प्रशासन ने क्यूबा को लेकर कुछ नियमों में आंशिक ढील दी। क्यूबा में रहने वाले परिवारों को अमेरिका से ज़्यादा पैसे भेजने की अनुमति दी गई, क्यूबा के लिए और अधिक उड़ानें शुरू की गईं। लेकिन 2021 में क्यूबा के अंदर हालात फिर बिगड़ गए। खाने-पीने की चीज़ों, दवाओं और बिजली की भारी कमी से परेशान होकर हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। सरकार ने इन प्रदर्शनों को सख्ती से दबाया, कई लोगों को गिरफ्तार किया गया और इंटरनेट सेवाएँ भी बंद कर दी गईं।

डीएम शैलेष कुमार व एसपी अभिनव त्यागी ने किया उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, परीक्षा सकुशल सम्पन्न

डीएम-एसपी की मौजूदगी में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, पारदर्शिता के साथ हुई भर्ती परीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने उप निरीक्षक पुलिस भर्ती परीक्षा को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर, जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज ज्ञानपुर तथा विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज ज्ञानपुर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था तथा परीक्षार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया का गहन निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता एवं नियमों के अनुरूप सम्पन्न कराई जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता या अव्यवस्था की स्थिति में तत्काल प्रशासन को अवगत कराया जाए।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को शांतिपूर्ण माहौल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान संबंधित उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, केंद्र व्यवस्थापक एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन की कड़ी निगरानी एवं पुख्ता व्यवस्थाओं के बीच जनपद में उप निरीक्षक पुलिस भर्ती परीक्षा सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई।।

सम्मान समारोह के साथ एसपी अभिमन्यु मांगलिक को दी गई भावभीनी विदाई

भदोही। पुलिस लाइन सभागार में शनिवार की शाम आयोजित समारोह में जनपद के पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल सहित कई अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों ने एसपी अभिमन्यु मांगलिक के कार्यकाल को याद करते हुए उनके नेतृत्व, ईमानदारी और कार्यकुशलता की सराहना की। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने उन्हें अंगवस्त्रम, प्रशस्ति पत्र और पौधा भेंट कर उनके अगले दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने भदोहीवासियों के स्नेह और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लगभग एक वर्ष दो माह के कार्यकाल में उन्हें अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता का भरपूर सहयोग मिला, जो उनके जीवन की अमूल्य पूंजी रहेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में अपराधियों की गिरफ्तारी और मुकदमों के निस्तारण में भदोही पुलिस ने प्रदेश में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। महिलाओं से संबंधित अपराधों के निस्तारण में भी जनपद ने बेहतर प्रदर्शन किया।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने उन्हें समाज के वंचित वर्ग की पीड़ा समझने वाला और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने वाला लोकप्रिय अधिकारी बताया। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने उन्हें कर्तव्यनिष्ठ, न्यायप्रिय, ईमानदार और सत्यनिष्ठ अधिकारी बताया।

अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, उप जिलाधिकारी श्याममणि त्रिपाठी, अरुण गिरि, भान सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रभात राय सहित अन्य अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए अभिमन्यु मांगलिक के कार्यकाल को जनपद के लिए यादगार बताया।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक का कार्यकाल भदोही के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज रहेगा और उनकी कार्यशैली की स्मृतियां लंबे समय तक लोगों के दिलों में बनी रहेंगी।

शबे क़द्र की मुबारक रात में मस्जिदों में इबादत और कब्रिस्तान में फातिहा की अपील

मंत्र भारत संवाददाता

घोसिया, भदोही। पवित्र रमज़ान माह की सबसे बरकतों वाली रात शबे क़द्र के मौके पर नगर घोसिया में लोगों से मस्जिदों में इबादत करने और कब्रिस्तान जाकर अपने मरहूम परिजनों के लिए फातिहा पढ़ने की अपील की जा रही है। इस मुबारक रात को रहमत, बरकत और मगफिरत की रात माना जाता है, इसलिए मुसलमान इस रात को इबादत और दुआ में गुजारते हैं।

इस अवसर पर समाजसेवी डॉ. मोहम्मद जाहिद (सदर रोड, घोसिया निवासी) ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शबे क़द्र की यह रात बहुत ही मुकद्दस और बरकत वाली रात है। समाजसेवी डॉ. मोहम्मद जाहिद ने कहा कि सभी लोगों को चाहिए कि इस मुबारक रात में मस्जिदों में जाकर इबादत करें और कब्रिस्तान जाकर अपने मरहूम परिजनों की कब्रों पर फातिहा पढ़कर उनकी मगफिरत की दुआ करें।

डॉ. मोहम्मद जाहिद ने बताया कि शबे क़द्र की रात में की गई इबादत का सवाब हजार महीनों की इबादत से बेहतर बताया गया है। इसलिए इस रात को अल्लाह की इबादत, कुरआन शरीफ की तिलावत और दुआ में बिताना चाहिए।

इस दौरान समाजसेवी डॉ. मोहम्मद जाहिद ने यह भी कहा कि इस मुबारक रात में लोग अपने साथ-साथ पूरे देश और समाज में अमन-चैन, भाईचारा और खुशहाली के लिए भी दुआ करें। शबे क़द्र की रात हर मुसलमान के लिए अल्लाह की रहमत और मगफिरत हासिल करने का खास मौका होती है।

सीएमओ ने किया निरीक्षण गंदगी मिलने पर कार्रवाई

भदोही। जनपद में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला के तहत डेरवा में मुख्य चिकित्साधिकारी संतोष कुमार चक ने स्वास्थ्य शिविर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में बड़े-बड़े जंगली घास उगे पाए गए तथा बाथरूम भी गंदा मिला, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई।

लापरवाही पाए जाने पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने फार्मासिस्ट प्रवीण गुप्ता तथा सफाईकर्मी छोटे लाल का मार्च 2026 माह का सात दिन का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को कड़ी चेतावनी देते हुए साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके बाद अपराह्न करीब 4:10 बजे मुख्य चिकित्साधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाल नगर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित पाए गए। मुख्य चिकित्साधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ-सफाई, व्यवस्थाओं और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

नन्हे नौनिहालों संग निकली पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता साइकिल यात्रा

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को निकाली गई विशाल साइकिल यात्रा ने जन जागरूकता की नई मिसाल कायम की । इस प्रेरणादायक अभियान का नेतृत्व क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने किया जिनकी सोच और संकल्प ने युवाओं से लेकर समाजसेवियों तक एक मंच पर लाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दिया।

क्लब के अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने कहा कि बच्चे आने वाले स्वस्थ भारत, स्वच्छ भारत और विकसित भारत के भविष्य हैं। जब तक बच्चे प्रतिदिन योग व्यायाम कोई खेल कूद के साथ साथ आसपास के कार्य साइकिल से या पैदल नहीं करते तब तक भदोही साइकिलिंग क्लब का मिशन अधूरा है। आगे उन्होंने आग्रह किया कि सभी लोग अपने स्वास्थ्य के लिए अपने परिवार की तरक्की के लिए प्रतिदिन आधे घंटे का योग व्यायाम करें।

क्लब के सचिव प्रवीण श्रीवास्तव ने कहा कि शरीर के साथ-साथ पर्यावरण की देखभाल बहुत जरूरी है। प्रतिदिन योग व्यायाम के साथ आसपास के कार्य साइकिल से या पैदल करें जिससे मोटरसाइकिल और कार से निकलने वाले प्रदूषण को भी कम किया जा सके।

गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से शुरू हुई साइकिल यात्रा को वरिष्ठ चिकित्सक एस एस यादव और समाजसेवी बेचन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

साइकिल यात्रा आरंभ होकर आस पास का भ्रमण करते लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए फूलबाग ज्ञानपुर रोड पर इसका समापन हुआ।

भदोही के नए पुलिस अधीक्षक बने अभिनव त्यागी, संभाला पदभार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही में नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने रविवार को पुलिस अधीक्षक, भदोही के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक कर जनपद की कानून व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी तथा अपराध और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जनपद में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखा जाएगा। नवागत पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अपराध नियंत्रण, महिलाओं की सुरक्षा तथा संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने पुलिस कर्मियों से ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा जताई।

अंतिम संस्कार में ले जाते समय बस हाई वोल्टेज तार की चपेट में एक की मौत व तीन झुलसे

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के चिल्हिया थाना क्षेत्र के करौंदा नानकार गांव के पास रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। अंतिम संस्कार के लिए अयोध्या जा रही एक निजी बस 11 हजार बोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई। हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि तीन लोग झुलसकर घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार लखनपारा गांव निवासी रामनरेश साहनी (70) का बीती रात्रि निधन हो गया था। उनके अंतिम संस्कार के लिए रविवार को परिजन और ग्रामीण बस से अयोध्या जा रहे थे। बस जब करौंदा नानकार गांव के बाहर मोड़ पर पहुंची, तभी एक वाहन को साइड देने के दौरान सड़क किनारे झूल रहे हाईटेंशन तार से बस छू गई और करंट फैल गया। करंट की चपेट में आने से श्याम सुंदर गुप्ता (60) पुत्र सितई की मौत हो गई, जबकि बुद्धि सागर, जगदीश साहनी और राम अजोर साहनी झुलसकर घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही चिल्हिया थाना प्रभारी राजेश कुमार गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। वहीं एसडीएम विवेकानंद मिश्र मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए। एसडीएम ने बताया कि घटना में मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपये तथा घायलों को 1-1 लाख रुपये का मुआवजा विद्युत विभाग की ओर से दिया जाएगा।

भटके नाबालिग को पुलिस ने चंद घंटों में परिजनों से मिलाया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत थाना ज्ञानपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घर से भटके एक नाबालिग बच्चे को कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

डायल 112 पर सूचना मिलने के बाद पीआरवी टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बच्चे के घर का पता लगाकर उसे सुरक्षित उसके परिवार को सौंप दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर परिजनों ने आभार व्यक्त किया। इस सराहनीय कार्य में पीआरवी 5525 के कमांडर उपनिरीक्षक मेराज अहमद, सब कमांडर मुख्य आरक्षी शिवकुमार यादव तथा पायलट कांस्टेबल चालक अजय यादव शामिल रहे। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

सुरियावां में स्वर्णकार संघ का होली मिलन समारोह संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां में स्वर्णकार संघ द्वारा एक होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के सम्मानित वरिष्ठजनों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देना था।

समारोह में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने इस प्रकार के सामाजिक आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें समाज को एकजुट करने और आपसी संबंधों को मजबूत बनाने की बात कही गई। कार्यक्रम के दौरान, सभी उपस्थित लोगों ने पारंपरिक तरीके से होली का उत्सव मनाया। इस आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता पर विशेष जोर दिया गया।

इस अवसर पर प्रदेश मंत्री राकेश वर्मा , जिलाध्यक्ष लोकेश सेठ, कार्यकारिणी अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सेठ , दिनेश सेठ बब्बू, सहित सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे। समारोह का समापन होली की शुभकामनाओं और सामाजिक एकता के संकल्प के साथ हुआ, और सदस्यों ने आपसी प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया!

शॉर्ट सर्किट से अशोका पैलेस में लगी आग ग्रामीणों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज रविवार सुबह लगभग सात बजे क्षेत्र के अशोका पैलेस कठौता में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेज थी कि लॉन में रखे कई विद्युत उपकरण उसकी चपेट में आ गए।

जानकारी के अनुसार आग लगने से फ्रीजर, वातानुकूलन यंत्र, इनवर्टर, दो बैटरियां तथा सजावट में उपयोग होने वाले विद्युत उपकरण जलकर नष्ट हो गए। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार घटना में करीब एक लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और लॉन में मौजूद अग्निशमन उपकरणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। ग्रामीणों की तत्परता से आग अधिक फैलने से बच गई और बड़ा हादसा टल गया।

घटना की सूचना मिलने पर अग्निशमन दल भी मौके पर पहुंचा और स्थिति का निरीक्षण किया। लॉन पर मौजूद कमलेश सिंह ने बताया कि गांव के लोगों के सामूहिक प्रयास से समय रहते आग बुझा दी गई, अन्यथा आग फैलने से लाखों रुपये का नुकसान हो सकता था।

एनएसएस शिविर में स्वच्छता, योग और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ज्ञानपुर ।काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई कर योगासन किया। बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा साक्षी वर्मा ने छात्राओं को दर्पण, गुलदस्ते और रिबन से गुलाब बनाना सिखाया, जिसमें जैनब, गुंजा, मुस्कान, नेहा, रोशनी बानो, निशा, रूही, रागिनी, विधि यादव सहित अन्य ने भाग लिया। पूर्व प्राचार्य डॉ. कमाल अहमद सिद्दीकी, डॉ. मधु विश्वकर्मा और डॉ. संतोष कुमार आर्य के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने चकटोडर गांव में रैली निकालकर 'पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ' का संदेश दिया।

द्वितीय सत्र में आयोजित संगोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण और अनुशासन पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मधु विश्वकर्मा और डॉ. शिरीष कुमार उपाध्याय ने किया।

समाजवादी पार्टी ने कांशीराम की 92वीं जयंती पीडीए दिवस के रूप में मनाई

भदोही।समाजवादी पार्टी भदोही द्वारा जिला कार्यालय (लोहिया ट्रस्ट) कंसापुर, ज्ञानपुर में कांशीराम की 92वीं जयंती पीडीए दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने उनके जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला।

जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव ने कहा कि कांशीराम सामाजिक परिवर्तन के महानायक थे, जिन्होंने दलितों, शोषितों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और उन्हें राजनीतिक रूप से संगठित करने का कार्य किया।

गोष्ठी को विधायक जाहिद बेग, पूर्व मंत्री रामकिशोर बिंद, पूर्व विधायक मधुबाला पासी, अंजनी सरोज, राजेन्द्र दुबे और सरिता बिंद ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन जिलामहासचिव हृदय नारायण प्रजापति ने किया। इस दौरान संतोष यादव, केश नारायण यादव, सलाउद्दीन अंसारी, डॉ. पवन विश्वकर्मा, महेश पाल, दिलीप पासी, गुलाब पाल, मनोज यादव, कमला महतो, पंचलाल सरोज, राजेश राय, लालजीत दुबे, महेन्द्र गोड, सूबेदार विश्वकर्मा, प्रमोद यादव, श्यामधर यादव, अच्छेलाल सरोज, रवि यादव, शिवदीप यादव, अंकिता राजपूत, सौरभ यादव, गामा प्रसाद यादव, संदीप यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार मिश्र पप्पू भी मौजूद रहे।

लालानगर टोल प्लाजा के पास अव्यवस्था से बढ़ रहा हादसों का खतरा

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज ।स्थानीय राजमार्ग पर स्थित लालानगर टोल प्लाजा के पास यातायात व्यवस्था की लापरवाही के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। यहां ट्रक और चार पहिया वाहन चालक अक्सर बीच सड़क पर ही वाहन खड़ा कर देते हैं, जिससे आवागमन बाधित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

बताया जाता है कि मौके पर मौजूद यातायात पुलिस कर्मियों और टोल कर्मचारियों की अनदेखी के कारण यह स्थिति लगातार बनी रहती है। कई बार वाहनों के बीच रास्ता रोकने को लेकर वाहन चालकों में कहासुनी और विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है, जिससे मारपीट तक की नौबत आ जाती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि टोल प्लाजा के आसपास वाहनों को सड़क किनारे व्यवस्थित खड़ा कराया जाए तो दुर्घटनाओं की संभावना काफी कम हो सकती है। नागरिकों ने नवागत पुलिस अधीक्षक का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए पतंजलि के जिला प्रभारी रामजी पाल ने मांग की है कि टोल प्लाजा के पास बीच सड़क पर वाहनों को खड़ा करने पर सख्ती से रोक लगाई जाए और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

ब्राह्मण समाज की गरिमा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं :राजेश दूबे

भदोही। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा यूपी कांग्रेस कोऑर्डिनेशन सेंटर के नोडल पर्सन राजेश दूबे ने कहा कि ब्राह्मण समाज की गरिमा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के समय में ब्राह्मण समाज से जुड़ी कई घटनाओं से समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पंडित शब्द के प्रयोग को लेकर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई।

राजेश दूबे ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज को आहत करने वाली हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि एसआई परीक्षा के प्रश्नपत्र में ब्राह्मण समाज का अपमान करने के दोषियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

प्रदेश में तड़तड़ाईं पुलिस- एसओजी की गोलियां
मुठभेड़ में 25 हजार का शातिर इनामी गिरफ्तार, 3 थानों में दर्ज है मुकदमा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में बलिया जिले के गड़वार क्षेत्र में पुलिस और विशेष कार्य दल (एसओजी) ने शनिवार को देर रात एक मुठभेड़ के बाद 25 हजार रुपए के इनामी एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान अपराधी के बाएं पैर में गोली लगी है। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपा शंकर ने रविवार को बताया कि शनिवार को देर रात लगभग सवा 10 बजे मुखबिर की सूचना के आधार पर गड़वार पुलिस और एसओजी ने इनामी अपराधी टेंगर नट को घेरकर गिरफ्तार करने की कोशिश की।

उन्होंने बताया कि पुलिस से घिरता देखकर टेंगर ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाईं। शंकर ने बताया कि पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की जवाबी कार्रवाई में नट के बाएं पैर में गोली लगी और उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि टेंगर नट पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है और वह एक शातिर अपराधी है। उन्होंने बताया कि उस पर जिले के गड़वार, सुखपुरा तथा नगरा थाना क्षेत्र में चोरी की अनेक घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है। शंकर ने बताया कि पुलिस ने नट के पास से देशी तमंचा और कारतूस बरामद किये हैं।

अयोध्या का कोड वर्ड पास! 19 मार्च को राम मंदिर जाने वालों के लिए बड़ी चेतावनी
नये नियमों के बिना नहीं होंगे दर्शन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या एक बार फिर ऐतिहासिक पल की गवाह बनने जा रही है। 19 मार्च को हिंदू नववर्ष (वर्ष प्रतिपदा) के अवसर पर राम मंदिर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस उत्सव में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। मंदिर ट्रस्ट ने इसके लिए 7000 विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया है।

अगर आप भी इन भाग्यशाली मेहमानों में शामिल हैं, तो घर से निकलने से पहले राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा जारी इन कड़े नियमों को ध्यान से पढ़ लें:

मोबाइल और गैजेट्स पर पूरी तरह पाबंदी ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा कारणों से मंदिर परिसर के भीतर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मेहमानों को अपने फोन बाहर ही रखने होंगे।

हथियार और अंगरक्षक वर्जित परिसर में किसी भी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। सिख समुदाय के सदस्यों के लिए केवल कानूनन मान्य छोटी कृपाण की अनुमति होगी। इसके अलावा, कोई भी मेहमान अपने साथ निजी अंगरक्षक अंदर नहीं ले जा सकेगा।

विशेष क्यूआर कोड वाले पास से मिलेगी एंट्री सभी 7000 मेहमानों के लिए व्यक्तिगत प्रवेश पत्र जारी किए गए हैं। इन कार्ड्स पर एक विशेष कोड (क्यूआर कोड) होगा। यह कार्ड अहस्तांतरणीय है, यानी जिस व्यक्ति के नाम पर कार्ड है, केवल वही प्रवेश कर पाएगा।

नवरात्रि का फलाहार और खास इंतजाम चूंकि इस दिन से चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ हो रहा है, इसलिए ट्रस्ट ने मेहमानों के लिए शुद्ध फलाहार और सात्विक भोजन की विशेष व्यवस्था की है। पानी और अन्य बुनियादी जरूरतों का प्रबंध कार्यक्रम स्थल पर ही रहेगा।

रहने और ठहरने की व्यवस्था बाहर से आने वाले मेहमानों के लिए ट्रस्ट ने अयोध्या के विभिन्न होटलों और अतिथि गृहों में बुकिंग की है। मेहमानों को समय पर सूचित कर दिया जाएगा कि उन्हें किस द्वार से प्रवेश करना है।

शादी का झांसा देकर 6 सालों तक युवती से रेप, गर्भवती हुई तो कराया अबॉर्शन
नेवी में सिलेक्शन के बाद महिला को छोड़ा, युवक गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बलिया में शादी का झांसा देकर एक युवती से कथित तौर पर दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 25 वर्षीय युवती ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि कृष्णा राजभर (24) ने शादी का झांसा देकर छह वर्षों तक उससे शारीरिक संबंध बनाये।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब वह गर्भवती हो गई तो राजभर ने उससे कहा कि अभी वह नौसेना में नौकरी की तैयारी कर रहा है, लिहाजा अभी वह कोई खर्च नहीं उठा सकता है इसलिए वह गर्भपात करा ले। पुलिस के अनुसार, युवती ने आरोप लगाया कि जब राजभर की नौसेना में नौकरी लग गई तो पीड़िता ने युवक के घर जाकर शादी की बात की, जिसपर उसके परिजनों ने उसे अपशब्द कहते हुए घर से भगा दिया और जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली प्रभारी क्षितिज त्रिपाठी ने बताया कि युवती की तहरीर पर राजभर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

फेल्ड एटीएम ट्रांजेक्शन पर एक्सिस बैंक को फटकार
कंज्यूमर कोर्ट ने 8 साल बाद दिलाया इंसाफ और मुआवजा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के नागपुर स्थित उपभोक्ता आयोग ने सेवा में कमी के मामले में एक्सिस बैंक को फटकार लगाते हुए उसे एक ग्राहक को राशि वापस करने और 10, 000 रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। ग्राहक को आठ वर्ष पहले एक असफल एटीएम लेनदेन में 5, 000 रुपये का नुकसान हुआ था। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एटीएम में ग्राहक के बैंक खाते से राशि डेबिट होने के बाद नकदी नहीं मिलने को गंभीर मामला बताया। आयोग ने कहा कि ऐसे लेनदेन की जांच करना और ग्राहक को तत्काल राहत देना बैंक की जिम्मेदारी है।

पिछले महीने दिए गए एक फैसले में, आयोग ने पाया कि बैंक ने शिकायतकर्ता की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और लोकपाल प्रक्रिया के माध्यम से निष्पक्ष सुनवाई प्रदान करने में विफल रहा। यह असफल लेनदेन 19 अगस्त, 2018 का है। नागपुर निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने एक्सिस बैंक के एक एटीएम से 5, 000 रुपये निकालने का प्रयास किया था।

मामले की सुनवाई आयोग के अध्यक्ष सतीश सप्रे और सदस्य मिलिंद केदार ने एकपक्षीय रूप से की, क्योंकि कानूनी नोटिस दिए जाने के बावजूद एक्सिस बैंक आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। आयोग ने टिप्पणी की कि शिकायतकर्ता की ओर से बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद बैंक यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका कि उसने मामले की उचित जांच कराई या एटीएम के निगरानी कैमरे की जांच की।

आयोग ने कहा कि अभिलेखों से स्पष्ट है कि बैंक ने शिकायतकर्ता की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया। आयोग ने यह भी कहा कि नोटिस मिलने के बाद भी बैंक ने कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। आयोग ने माना कि खाते से राशि कटने के बावजूद ग्राहक को नकदी नहीं मिलना बैंक की सेवा में कमी को दर्शाता है। आयोग ने बैंक को निर्देश दिया कि वह शिकायतकर्ता को 5, 000 रुपये लौटाए और मानसिक तथा शारीरिक उत्पीड़न के लिए 10, 000 रुपये मुआवजा दे।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को 50 मीटर तक घसीटा, 3 की मौत, शरीर के उड़े चीथड़े, सड़क पर बिखरे शव के टुकड़े

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में फर्रुखाबाद के नवाबगंज इलाके में एक तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आ जाने से मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि शनिवार देर रात एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक और एक किशोर फर्रुखाबाद की तरफ आ रहे थे।

उन्होंने बताया कि रास्ते में नवाबगंज चौराहे पर मोहम्मदाबाद मार्ग की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें बुरी तरह कुचल दिया और अनियंत्रित होकर एक कार से जा टकराया। सूत्रों ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि चपेट में आए तीनों के शरीर के चीथड़े उड़ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान पुष्पेंद्र (20), अर्पित यादव (18) और निशु (15) के रूप में हुई है और वे सभी एटा के रहने वाले थे।

परिजनों के अनुसार हादसे के शिकार हुए तीनों लोग शनिवार रात लगभग आठ बजे खेत पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शवों के अवशेषों को एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

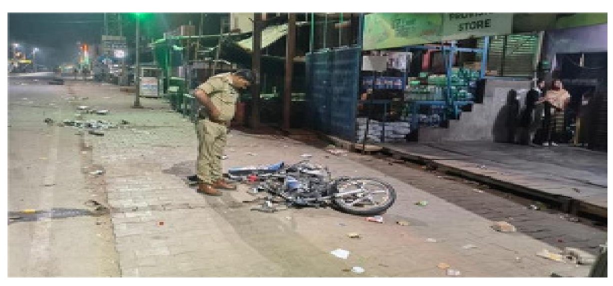

लखनऊ में सिलेंडर कांड : एसपी नेता के रिसॉर्ट में छिपाए थे 88 सिलेंडर
पत्नी चलाती हैं गैस एजेंसी, पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

लखनऊ **(एजेंसी)**। राजधानी में जब आम जनता रसोई गैस के लिए दर-दर भटक रही है, तब रसूखदारों के यहां सिलेंडरों का अवैध स्टॉक जमा किया जा रहा है। जिला प्रशासन की टीम ने शनिवार को मोहान रोड स्थित अभिनंदन रिसॉर्ट पर छापेमारी कर कालाबाजारी के एक बड़े खेल का पर्दाफाश किया है। यह रिसॉर्ट समाजवादी पार्टी के नेता सुरेंद्र कुमार उर्फ सोनू कनौजिया का है।

डीएसओ विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में रिसॉर्ट परिसर से कुल 88 गैस सिलेंडर बरामद किए गए। हैरानी की बात यह है कि सपा नेता की पत्नी मंजू कनौजिया के नाम पर असीम भारत गैस एजेंसी है, जिसका गोदाम रिसॉर्ट से महज 1.5 किमी दूर है। नियमों के मुताबिक सिलेंडरों को सुरक्षित गोदाम में होना चाहिए था, लेकिन उन्हें अवैध रूप से रिसॉर्ट में छिपाकर रखा गया था।

प्रशासन की टीम ने जब मौके पर मौजूद लोगों से कागजात मांगे, तो वे न तो एजेंसी का रिकॉर्ड दिखा सके और न ही गाड़ी के दस्तावेज। इसके बाद काकोरी थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत सपा नेता सोनू कनौजिया, उनकी पत्नी मंजू कनौजिया, मैनेजर मुन्ना, जमील अहमद और साहिल सहित 5 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सोनू कनौजिया मलिहाबाद विधानसभा से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। सिलेंडरों की कालाबाजारी के अलावा उन पर एलडीए की अधिग्रहित जमीन पर अवैध प्लॉटिंग और रिसॉर्ट चलाने के भी आरोप हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि यह गैस एजेंसी हाल ही में करीब 80 लाख रुपए में खरीदी गई थी।

असम के चुनावी रण में आप की एंट्री
किसका खेल बिगाड़ेंगे केजरीवाल? पहली सूची में 14 योद्धा शामिल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। असम विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने 14 नामों का ऐलान किया है, जिनमें राज्य उपाध्यक्ष अनुरुपा डेकाराजा का नाम भी शामिल है। खास बात यह है कि इस पहली लिस्ट के सभी उम्मीदवार ब्रह्मपुत्र घाटी के इलाकों से ताल्लुक रखते हैं। आम आदमी पार्टी के राज्य प्रभारी राजेश शर्मा द्वारा जारी की गई सूची के अनुसार, अनुरुपा डेकाराजा गुवाहाटी सेंट्रल सीट से चुनाव लड़ेंगी। वहीं, रेणुका तिमुंगपी को बोकाजान से उम्मीदवार बनाया गया है। अन्य प्रमुख नामों में अच्युत दास (नाओबोइचा), तपन गोगोई (शिवसागर), जाहिदुल इस्लाम खान (चेंगा), पल्लव सैकिया (टीटाबोर) और जिन्ना आमीर हुसैन (पूर्वी गोलपारा) शामिल हैं। 'आप' इस बार असम में बिना किसी गठबंधन के अकेले चुनाव मैदान में उतर रही है।

असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है जिसके पास 64 सीटें हैं। भाजपा के सहयोगी दलों, असम गण परिषद (9), यूपीपीएल (7) और बीपीएफ (3) को मिलाकर सत्ता पक्ष काफी मजबूत है। दूसरी ओर, विपक्ष में कांग्रेस के पास 26, एआईयूडीएफ के पास 15 और माकपा का 1 विधायक है। आम आदमी पार्टी की कोशिश इस बार राज्य में अपना खाता खोलने की है।

असम में विधानसभा चुनाव केवल एक ही चरण में 9 अप्रैल को संपन्न होंगे। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि 20 मई को वधिानसभा का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। राज्य के करीब 2.5 करोड़ मतदाता अपनी सरकार चुनेंगे और इस महासंग्राम के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

मायावती का सपा पर बड़ा हमला, कहा- पीडीए सिर्फ छलावा, असली पार्टी तो बस बसपा ही है

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विरोधी दलों की कथनी और करनी में भारी अंतर होने का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि सिर्फ बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली 'असली पार्टी' है। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) को 'छलावा' बताते हुए आरोप लगाया कि सपा और अन्य विरोधी पार्टियां इन वर्गों का वोट लेकर सरकार तो बनाती हैं लेकिन बाद में इन तबकों को 'तिरस्कृत' कर देती हैं। मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती पर रविवार सुबह लखनऊ स्थित बसपा के केंद्रीय शिविर कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ लोगों के साथ उनके चित्र एवं प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली बसपा 'बहुजन समाज' का हित, कल्याण व उत्थान करने वाली 'असली पार्टी' है जबकि सपा व अन्य विरोधी दलों के कथनी व करनी में भारी अंतर होता है। मायावती ने 'बहुजन समाज' के लोगों से आह्वान किया कि वे बसपा से जुड़कर सच्चे, ईमानदार व 'मिशनरी आंबेडकरवादी' बनें और सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर द्वारा संविधान में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए दिये गये अधिकारों को जमीन पर लागू करें। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने सपा के पीडीए को विशुद्ध 'छलावा' करार देते हुए कहा कि वास्तव में दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का हर स्तर पर शोषण करने वाली पार्टियों में भी खासकर सपा का पीडीए प्रेम विशुद्ध छलावा है।

उन्होंने कहा कि सपा को दलितों पिछड़ों, मुस्लिम समाज के लोगों और उनके महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के समय ही आती है लेकिन सरकार बन जाने के बाद वह उन्हें अन्य पार्टियों की ही तरह तिरस्कृत

कर देती है। मायावती ने बहुजन समाज के लोगों को सपा, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सावधान रहने की हिदायत देते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि ये पार्टियां बहुजन समाज के लिए काम की कम और नाम की ज्यादा हैं। बसपा प्रमुख ने बहुजन समाज से यह भी अपील की कि वह सांसद और विधायक बनाने का लालच देकर बहुजनों के वोट की ताकत को कमजोर करने वाली पार्टियों से दूर रहें। साथ ही, अपने निजी स्वार्थ के लिए पार्टी से 'दगा' करने वालों से भी उचित दूरी बनाए रखें।

उन्होंने केंद्र की वर्तमान भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार से आग्रह किया कि वह बसपा संस्थापक कांशीराम को 'भारत रत्न' से सम्मानित करने में और विलंब ना करे क्योंकि देश में संविधान की मंशा के अनुसार समता मूलक समाज तैयार करने में कांशीराम का ऐतिहासिक योगदान रहा है। मायावती ने कांशीराम के नाम पर बनाए गए 'मान्यवर श्री कांशीराम उर्दू, अरबी, फारसी विश्वविद्यालय' का नाम बदले जाने की भी आलोचना की और कहा कि ऐसी संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक व द्वेषपूर्ण मानसिकता रखने वाली पार्टियों व इनकी सरकारों से 'बहुजन समाज' का वास्तविक हित व कल्याण की आशा करना 'रेगिस्तान में पानी तलाशने' जैसा असंभव है।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपने शासनकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि बसपा 'बातें कम और काम अधिक' की नीति में विश्वास करती है जबकि दूसरी पार्टियां केवल हवाहवाई बातों, लुभावनी घोषणाओं व दावों के साथ-साथ 'अच्छे दिन' के हसीन सपनों के माध्यम से जनता को बरगलाना चाहती हैं।

पार्टी द्वारा जारी बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 12 मंडलों के बसपा कार्यकर्ताओं ने राजधानी लखनऊ में 'मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल' पर पहुंचकर कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की। बयान के अनुसार इसके अलावा मायावती के निर्देश पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छह मंडलों के पार्टी के लोगों ने गौतम बुद्ध नगर में स्थापित 'राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल' में कांशीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण व उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बयान के मुताबिक बसपा की राजस्थान इकाई द्वारा भरतपुर जिले में आयोजित जोन स्तरीय कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

गैस सिलेंडर की जमाखोरी पर सख्ती, अफवाह फैलाने वालों पर सरकार का एक्शन : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राजधानी दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर सामने आ रही खबरों के बीच मुख्यमंत्री र्खि उर्ल्यू ने लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं भी गैस सिलेंडरों की जमाखोरी की शिकायत मिलती है तो सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। साथ ही उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को भी चेतावनी दी है कि वे लोगों के बीच डर का माहौल बनाने से बचें।

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि संकट के समय सभी नागरिकों को जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में गैस सिलेंडरों को छिपाकर रखा जा रहा है या जरूरत से ज्यादा जमा किया जा रहा है, तो सरकार इस पर सख्ती से कार्रवाई करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि देश जब किसी कठिन परिस्थिति से गुजरता है, तब सभी को एकजुट होकर उसका सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर लोगों में डर पैदा कर रहे हैं और उन्हें जरूरत से ज्यादा सिलेंडर जमा करने के लिए उकसा रहे हैं, जो कि गलत है।

रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि इस तरह की अफवाहें फैलाना देशहित के खिलाफ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे धैर्य रखें और जरूरत के अनुसार ही गैस का उपयोग करें। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे और गैस सप्लाई व्यवस्था फिर से सुचारू रूप से चलने लगेगी।

इधर, राजधानी के कुछ इलाकों में गैस सिलेंडरों की कमी की शिकायतें सामने आ रही हैं। सोनिया विहार की रहने वाली खुशनुमा ने बताया कि बाजार में कुछ लोग गैस सिलेंडर ब्लैक में बेच रहे हैं और इसके लिए करीब 4500 रुपये तक मांगे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतनी ज्यादा कीमत देना संभव नहीं है, इसलिए मजबूरी में घर की छत पर चूल्हा बनाकर खाना बनाने की तैयारी की जा रही है, क्योंकि ईद - उल - फितर भी करीब है।

वहीं एक अन्य निवासी सलीम ने बताया कि पहले जो व्यक्ति उनके लिए गैस सिलेंडर लाकर देता था, उसका फोन अब बंद आ रहा है। ऐसे में उन्हें समझ नहीं आ रहा कि सिलेंडर कब और कैसे मिलेगा। सोशल मीडिया पर भी कई लोग यह शिकायत कर रहे हैं कि गैस बुकिंग कराने के बावजूद समय पर सिलेंडर की डिलीवरी नहीं हो रही है।

'अरे, कहां जा रही हैं? क्या हम कार्यक्रम बंद कर दें?'
सभा में अचानक किस पर भड़क गए नीतीश कुमार

पटना। बिहार के बेगूसराय में बीते शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी समृद्धि यात्रा के दौरान आए। उन्होंने करीब 376 करोड़ रुपये की कई विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसी दौरान उनका एक बयान और व्यवहार चर्चा का विषय बन गया।

कार्यक्रम के दौरान कुछ महिलाएं बीच में ही उठकर जाने लगीं। यह देखकर मुख्यमंत्री ने तुरंत उन्हें संबोधित किया और कहा, 'अरे, कहां जा रही हैं? क्या हम कार्यक्रम बंद कर दें? पहले पूरी बात सुनिए, फिर जाइए।' उनका यह अंदाज वहां मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच गया। भाषण समाप्त होने के बाद नीतीश कुमार ने लोगों से कहा, 'जरा एक मिनट रुकिए।' इसके बाद वे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास गए, उनका हाथ थामा और दोनों ने मिलकर जनता को अभिवादन किया।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के इस व्यवहार को लेकर लोगों में अलग-अलग तरह की चर्चाएं होने लगीं। कुछ लोग इसे सम्राट चौधरी के प्रति उनके स्नेह के रूप में देख रहे थे, तो कुछ लोग इसे भविष्य की राजनीति से जोड़कर कयास लगाने लगे।

आंध्र प्रदेश के एलुरु में पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़

अमरावती। आंध्र प्रदेश में नवजात शिशुओं को बेचने का खुलासा होने के बाद पुलिस ने एलुरु जिले में बच्चों की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध शिशु पंजीकरण रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद कथित तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू की गई।

अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) डी. श्रवण कुमार ने बताया, जांच के दौरान शिशुओं की अवैध बिक्री से जुड़े दो मामले सामने आने के बाद हमने एलुरु जिले में नवजात शिशु तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस के अनुसार पहला मामला मुदिनेपल्ली मंडल के एक दंपति से संबंधित है जिन्होंने कथित तौर पर कृत्रिम गर्भाधान (आईवीएफ) के कई प्रयास विफल होने के बाद एक दिसंबर 2024 को करीब तीन लाख रुपये में एक नवजात बच्ची को खरीदा था।

इस मामले में छह लोगों को आरोपी के तौर पर चिह्नित किया गया। जिनमें माता-पिता व अन्य लोग शामिल हैं। दंपति ने गर्भावस्था का नाटक किया और बिचौलियों के माध्यम से बच्ची खरीदकर उसे अपनी जैविक संतान बताने की कोशिश की जिसके लिए फर्जी दस्तावेज भी तैयार किए गए।

पूछताछ के दौरान नवजात बच्चे को बेचने का एक और मामला सामने आया जिसमें 29 सितंबर, 2024 को एलुरु के एक निजी अस्पताल में कथित तौर पर एक नर्स की मिलीभगत से एक नवजात शिशु को करीब 30, 000 रुपये में बेचा गया था। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

इस बीच एलुरु जिला बाल संरक्षण अधिकारी (डीसीपीओ) सी. सूर्या चक्रवेणी ने बताया कि बच्चों के जन्म रिकॉर्ड के सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि 24 सितंबर को एक निजी अस्पताल में जन्मे शिशुओं से जुड़ी कुछ प्रविष्टियां संदिग्ध थीं। चक्रवेणी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ये घटनाएं नवजात शिशुओं की अवैध बिक्री में शामिल एक संगठित नेटवर्क की संभावना की ओर इशारा करती हैं। मामले में जांच शुरू कर दी गई है। चक्रवेणी ने बताया कि अब तक दो शिशुओं के बेच जाने की पुष्टि हुई है लेकिन पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस नेटवर्क से जुड़े ऐसे और भी मामले हैं।

सरफराज अहमद का क्रिकेट को अलविदा

अब संभालेंगे पाकिस्तान टेस्ट टीम के हेड कोच की बड़ी जिम्मेदारी!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के खिलाफ आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के दो प्रमुख टूर्नामेंट के फाइनल में जीत हासिल करने वाले एकमात्र पाकिस्तानी कप्तान विकेटकीपर-बल्लेबाज सरफराज अहमद ने रविवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। सरफराज ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2023 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के रूप में खेला था। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बयान में संन्यास लेने की घोषणा की। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि सरफराज के संन्यास लेने की औपचारिक घोषणा के बाद अब पीसीबी उन्हें लंबी अवधि के लिए राष्ट्रीय टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त कर सकता है।

पीसीबी ने ऑलराउंडर अजहर महमूद का अनुबंध समाप्त कर दिया था जिसके बाद से टेस्ट टीम के मुख्य कोच का पद खाली पड़ा है। महमूद ने पिछले साल टेस्ट टीम के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में कार्य किया था। मई में 39 वर्ष के होने वाले सरफराज को हाल में पाकिस्तान अंडर-19 और शाहीन टीमों का मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर नियुक्त किया गया था। सरफराज ने अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच पिछले साल अक्टूबर ने खेला था।

उन्होंने कहा कि वह अपनी अन्य भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं पाकिस्तान की तीनों प्रारूप में कप्तानी करूंगा तथा 2006 में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप और 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतूंगा। ये मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण रहे हैं।'' सरफराज ने पाकिस्तान की तरफ से 54 टेस्ट, 117 वनडे और 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 : प्लेऑफ के लिए प्राइवेट प्लेन से मेक्सिको जाएगा इराक

बगदाद **(एजेंसी)**। इराक फुटबॉल संघ के अध्यक्ष अदनान दिरजल ने पुष्टि की है कि इराक की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में हिस्सा लेने के लिए मेक्सिको जाएगी। यह मुकाबला 31 मार्च को मेक्सिको के मोंटेरे शहर में खेला जाएगा। कठिन परिस्थितियों के बावजूद टीम ने इस अहम मैच के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मध्य पूर्व क्षेत्र में 28 फरवरी से हवाई क्षेत्र बंद है। यह स्थिति अमेरिका और इजराइल के हमलों तथा इसके जवाब में ईरान द्वारा मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद पैदा हुई। इन हालात के कारण यात्रा करना मुश्किल हो गया था, लेकिन इसके बावजूद इराक की टीम प्राइवेट प्लेन से मेक्सिको रवाना होगी। मेक्सिको ने सभी खिलाड़ियों को पहले ही वीजा जारी कर दिए हैं, जिससे टीम की यात्रा संभव हो पाई है।

इराक फुटबॉल संघ के प्रमुख अदनान दिरजल ने बताया कि फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने भी इस मामले में मदद के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फीफा महासचिव मथियास ग्राफस्ट्रॉम को टीम की यात्रा में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के लिए कहा गया है। दिरजल ने बताया कि टीम इस सप्ताह के अंत तक प्राइवेट विमान से मेक्सिको के लिए रवाना होगी।

दिरजल ने खिलाड़ियों और स्टाफ से अपील की कि वे सभी कठिन परिस्थितियों के बावजूद केवल एक लक्ष्य पर ध्यान दें। उन्होंने कहा, 'हमारे पास सिर्फ 17 दिन बचे हैं और हमें पूरी तरह मैच की तैयारी पर ध्यान देना है। हमारा एक ही लक्ष्य है – वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करना।' उन्होंने यह भी कहा कि इराक फुटबॉल संघ और कोचिंग स्टाफ खिलाड़ियों को बेहतर माहौल देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं ताकि वे इस महत्वपूर्ण मैच पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर सकें। प्लेऑफ मुकाबले में इराक का सामना बोलीविया या सूरीनाम में से किसी एक टीम से होगा। इस मैच की विजेता टीम को सीधे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेलने का मौका मिलेगा।

इराक की टीम ने आखिरी बार 1986 में फीफा वर्ल्ड कप खेला था। अब टीम के पास 39 साल बाद वर्ल्ड कप में वापसी करने का बड़ा मौका है और खिलाड़ी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इराक ने क्वालिफायर में भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम ने पांचवें राउंड में संयुक्त अरब अमीरात को 3-2 से हराकर इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में जगह बनाई थी।

फॉर्मूला वन का बड़ा फैसला, ईरान युद्ध के खतरे के बीच बहरीन और सऊदी की रेस कैंसिल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। फॉर्मूला वन और उसकी संचालन संस्था फिया ने कहाहै कि ईरान युद्ध से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण अप्रैल में बहरीन और सऊदी अरब में होने वाली ग्रां प्री रेस नहीं होंगी। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू करने के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इन दोनों देशों पर हमले किए हैं। यह घोषणा रविवार सुबह शंघाई में चीन ग्रां प्री से पहले की गई। एफवन ने कहा, ''पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रही स्थिति के कारण बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री अप्रैल में नहीं होंगी।''

उन्होंने कहा, ''हालांकि कई विकल्पों पर विचार किया गया लेकिन अंततः यह तय किया गया कि अप्रैल में होने वाले रेस के स्थान में बदलाव नहीं होगा।'' एफवन रेस 12 अप्रैल को बहरीन में और 19 अप्रैल को सऊदी अरब के शहर जेद्दा में होनी थी। एफवन के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा, ''हालांकि यह एक मुश्किल फ़ैसला था लेकिन दुर्भाग्य से पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस समय यह सही फैसला है।'' फिया ने कहा कि ये दोनों रेस 'अप्रैल में नहीं होंगी' और इनकी जगह कोई दूसरी रेस आयोजित नहीं की जाएगी। फिया के अध्यक्ष मोहम्मद बेन सुलेयम ने कहा, ''फिया हमेशा हमारे समुदाय और सहकर्मियों की सुरक्षा और भलाई को सबसे पहले रखेगी। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद हमने इस जिम्मेदारी को पूरी तरह से ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है।

ईपीएफओ खाताधारकों के लिए बड़ी खबर

खत्म होगी मुश्किल और जल्द यूपीआई से निकाल सकेंगे अपना पैसा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए पीएफ निकासी और खाता प्रबंधन की प्रक्रिया को और अधिक सरल और हाई-टेक बनाने जा रहा है। इससे अब आप अपने पुराने खातों को आसानी से मर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा भविष्य में पीएफ का पैसा सीधे आपके यूपीआई आईडी पर ट्रांसफर करने की तैयारी भी चल रही है।

अक्सर नौकरी बदलने के दौरान कर्मचारियों के पास दो अलग-अलग यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) हो जाते हैं, जिससे पीएफ ट्रांसफर में दिक्कत आती है। अब आप ईमेल के जरिए भी पुराने यूएएन को बंद करवा सकते हैं। इसके लिए आपको ल्हिार्जेज्र्हि्ुदन.ग्ह पर एक मेल भेजना होगा, जिसमें अपने वर्तमान और पुराने यूएएन की जानकारी देनी होगी। वेरिफिकेशन के बाद ईपीएफओ पुराने नंबर को ब्लॉक कर देगा। इसके बाद आप मौजूदा यूएएन के जरिए आसानी से पुराने फंड को नए खाते में ट्रांसफर करने का क्लेम कर सकते हैं।

अगर आप ऑनलाइन पोर्टल के जरिए दो पीएफ खातों को जोड़ने की रिक्वेस्ट डालते हैं, तो ध्यान रखें कि इसके लिए आपके वर्तमान एम्प्लॉयर की मंजूरी अनिवार्य है। कंपनी द्वारा आपकी रिक्वेस्ट स्वीकार की जाती है तो आपके ईपीएफओ प्रोसेस को आगे बढ़ाते हुए पुरानी अकाउंट की राशि को नए में शिफ्ट किया जाएगा।

ईपीएफओ के इतिहास में सबसे बड़ा बदलाव अप्रैल 2026 तक देखने को मिल सकता है। केंद्रीय श्रम मंत्रालय एक आधुनिक सिस्टम पर काम कर रहा है, जिसके जरिए लगभग 8 करोड़ सदस्य सीधे यूपीआई का उपयोग करके अपने पीएफ खाते से पैसे निकाल सकेंगे। इस कदम का मुख्य उद्देश्य क्लेम सेटलमेंट के समय को कम करना और निकासी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी व तेज बनाना है।

टी20 विश्व कप के हीरो संजू सैमसन का होगा शाही सम्मान
केरल सरकार आधिकारिक रूप से सम्मानित करेगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत के सूत्रधारों में से एक और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब जीतने वाले संजू सैमसन का केरल सरकार भव्य नागरिक अभिनंदन करने जा रही है। सोमवार को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में एक आधिकारिक समारोह आयोजित किया जाएगा।

राज्य के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने एक बयान में बताया कि यह सम्मान समारोह सेंट्रल स्टेडियम में शाम चार बजे आयोजित किया जाएगा। बयान में बताया गया कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन इस समारोह का उद्घाटन करेंगे तथा खेल मंत्री, मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इसमें शामिल होंगे।

तटीय कस्बे विझिंजम के रहने वाले सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी कर टूर्नामेंट में भारत की जीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बयान में कहा गया कि यह विश्व कप केरल के इस क्रिकेटर के लिए प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट के बाद जोरदार वापसी का भी प्रतीक रहा। इसमें कहा गया कि खेल विभाग ने उन्हें सम्मानित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं।

यह सम्मान समारोह संजू की उस मेहनत और अटूट विश्वास का प्रमाण है, जिसके दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की की। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि संजू की यह सफलता केरल के उभरते हुए युवा खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी।

हवाई यात्रा होगी महंगी : एयर इंडिया और इंडिगो के बाद अब इस एयरलाइन ने भी लगाया फ्यूल सरचार्ज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब हवाई यात्रा पर भी दिखने लगा है। आकासा एयर ने शनिवार को घोषणा की कि वह भी टिकटों पर फ्यूल सरचार्ज लगाएगी। इससे पहले एयर इंडिया और इंडिगो भी यही कदम उठा चुकी हैं।

कंपनी ने बताया कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण यह फैसला लिया गया है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और युद्ध की वजह से ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ी है, जिसका सीधा असर एयरलाइंस के खर्च पर पड़ रहा है।

आकासा एयर के प्रवक्ता के अनुसार, 15 मार्च की रात 12:01 बजे (00:01 बजे) से की जाने वाली सभी नई बुकिंग पर फ्यूल सरचार्ज लागू होगा। यह सरचार्ज ?199 से लेकर ?1, 300 प्रति सेक्टर तक होगा और यह घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की उड़ानों पर लागू रहेगा। एयरलाइन के मुताबिक यह शुल्क हर सेक्टर के हिसाब से अलग-अलग होगा और उड़ान की अवधि यानी दूरी के आधार पर तय किया जाएगा।

आकासा एयर ने अपने बयान में कहा कि ईंधन किसी भी एयरलाइन के संचालन खर्च का बहुत बड़ा हिस्सा होता है। आमतौर पर एटीएफ एयरलाइन के कुल ऑपरेटिंग खर्च का करीब 35इ से 40इ तक होता है। ऐसे में यदि ईंधन की कीमतों में थोड़ी भी बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर एयरलाइंस की लागत और टिकट कीमतों पर पड़ता है।

वैश्विक स्तर पर जेट फ्यूल की कीमतें इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से ऊर्जा बाजार अस्थिर हो गया है। इस स्थिति ने एयरलाइंस के संचालन को भी मुश्किल बना दिया है। कई उड़ानों को अब प्रतिबंधित हवाई क्षेत्रों से बचने के लिए लंबा रास्ता लेना पड़ रहा है। इससे उड़ानों का समय बढ़ रहा है और ज्यादा ईंधन खर्च हो रहा है।

महंगाई के बीच राहत! गैस के दामों में आई बड़ी गिरावट, आज से लागू होंगी नई दरें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता के बीच उद्योग जगत के लिए राहत भरी खबर आई है। ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अदानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने अतिरिक्त प्राकृतिक गैस की कीमतों में बड़ी कटौती करने का ऐलान किया है। कंपनी के मुताबिक जो गैस हाल तक करीब 120 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएम) के आसपास मिल रही थी, उसकी कीमत अब घटकर करीब 83 रुपये रह जाएगी। नई दरें 16 मार्च 2026 की सुबह 6 बजे से प्रभावी होंगी।

कंपनी के इस फैसले का सबसे अधिक लाभ बड़े उद्योगों और फैक्ट्रियों को मिलने वाला है। एटीजीएलके नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, जो औद्योगिक उपभोक्ता तय सीमा से अधिक गैस की खपत करते हैं, उनके लिए 'एक्स्ट्रा गैस' के दाम में भारी कमी की गई है।

पहले अतिरिक्त गैस के लिए उद्योगों को 119.90 रुपये प्रति एससीएम की दर से भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब इसे घटाकर 82.95 रुपये प्रति एससीएम कर दिया गया है। यानी प्रति एससीएम लगभग 37 रुपये की कमी की गई है। प्राकृतिक गैस पर निर्भर उद्योगों के लिए यह कटौती उत्पादन लागत कम करने में बड़ी राहत साबित हो सकती है।

इंडियन वेल्स ओपन : मेदवेदेव ने अल्कराज को हराकर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंडियन वेल्स ओपन 2026 के सेमीफाइनल में रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्कराज को 6-3, 7-6(3) से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ ही मेदवेदेव ने अल्कराज की 2026 में चल रही लगातार 16 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

इस जीत के साथ मेदवेदेव 2024 इंडियन वेल्स चैंपियनशिप मैच के बाद पहली बार किर्सी ऊइ श्ट्री 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना दुनिया के नंबर-2 खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को सीधे सेटों में हराया।

मेदवेदेव ने मैच के दौरान बेहद संतुलित और आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और मजबूत सर्विस के दम पर रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। पहले सेट में उन्होंने जल्दी ब्रेक हासिल किया और लगातार दबाव बनाकर 6-3 से सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में अल्कराज ने वापसी की कोशिश की और मुकाबले को कड़ा बना दिया। हालांकि मेदवेदेव ने दबाव के क्षणों में शानदार संयम दिखाया। 4-5 के स्कोर पर दो सेट प्वाइंट बचाते हुए उन्होंने दमदार सर्विस की और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया। टाई-ब्रेक में मेदवेदेव ने शानदार खेल दिखाते हुए 7-3 से जीत हासिल की और कुल 1 घंटा 37 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया।

मेदवेदेव की जीत आंकड़ों में भी साफ दिखाई दी। उन्होंने बनाए गए दोनों ब्रेक प्वाइंट को भुनाया और पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके अलावा उन्होंने अपनी दूसरी सर्विस पर 74 प्रतिशत अंक जीते, जो मैच में उनकी सफलता की बड़ी वजह रही।

इस जीत के साथ मेदवेदेव ने 2026 सीजन में अपनी 18वीं जीत दर्ज की। यह इस साल उनका तीसरा फाइनल भी होगा।मेदवेदेव इस साल पहले ही ब्रिस्बेन इंटरनेशनल और दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत चुके हैं और अब इंडियन वेल्स का खिताब जीतकर अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे।

दूसरे सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ने पूरे मैच में बेहतरीन बेसलाइन गेम दिखाया और अपनी पहली सर्विस पर 83 प्रतिशत अंक जीते।

दुनिया में बजा महिला अरबपतियों का डंका!

सावित्री जिंदल ने रचा इतिहास दौलत के मामले में दिग्गजों को पछाड़ा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। फोर्ब्स 2026 की ताजा रैंकिंग के अनुसार दुनिया में महिला अरबपतियों की संख्या पिछले साल के 406 से बढ़कर अब 481 हो गई है। रिटेल जायंट वॉलमार्ट की एलिस वॉल्टन ने एक बार फिर अपना नंबर-1 का पायदान बरकरार रखा है वहीं भारत की सावित्री जिंदल 39.1 अरब डॉलर (करीब 3.2 लाख करोड़ रुपये) की नेटवर्थ के साथ दुनिया की 7वीं सबसे अमीर महिला बन गई हैं।

जिंदल ग्रुप की सावित्री जिंदल इस सूची में 7वें स्थान पर हैं। स्टील, पावर और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे भारी उद्योगों में जिंदल परिवार की पकड़ ने सावित्री जिंदल की संपत्ति में बड़ा इजाफा किया है। वे न केवल भारत की सबसे अमीर महिला हैं, बल्कि एशिया की आर्थिक शक्ति का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि स्टॉक मार्केट में तेजी, तांबे और एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं की वैश्विक मांग में वृद्धि और तकनीकी विस्तार ने इन महिला अरबपतियों की संपत्ति को नए आयाम दिए हैं। फिडेलिटी की एबिगेल जॉनसन जैसी महिलाओं ने क्रिप्टो और डिजिटल निवेश के जरिए भी अपनी पकड़ मजबूत की है।

'बाहुबली' की देवसेना बनेंगी दुल्हन! अनुष्का शेट्टी की शादी पर आया बड़ा अपडेट

साउथ इंडस्ट्री के गलियारों में इस समय अनुष्का शेट्टी काफी सुर्खियों में बनीं है। लंबे समय से उनके फैंस इंतजार में थे कि एक्ट्रेस शादी कब करेंगी। अब यह सपना उनके सभी फैंस का पूरा होने जा रहा है। इन दिनों एक्ट्रेस काफी चर्चाओं में है और कहा जा रहा है कि 44 साल की अनुष्का शेट्टी अब शादी करने जा रही हैं। लॉन्ग टाइम से अनुष्का शेट्टी अपनी शादी और डेटिंग रूमर्स को लेकर सुर्खियों में रही है। एक समय में उनका नाम एक्टर प्रभास से जोड़ा गया था। लेकिन दोनों ने ही इन खबरों को खारिज कर दिया है और एक-दूसरे को अपना अच्छा दोस्त बनाया है।

अब अनुष्का की शादी को लेकर नई खबरें सामने आ रही हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उनके होने वाले दूल्हे का नाम प्रभास नहीं बताया जा रहा है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक अनुष्का शेट्टी जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकती हैं। कहा जा रहा है कि उनका परिवार शादी की तैयारियों में जुटा हुआ है और यह समारोह जल्द ही आयोजित किया जा सकता है।

अनुष्का शेट्टी जल्द ही दुल्हानिया बनने जा रही हैं, उनका दुल्हा कोई फिल्मी वर्ल्ड से नहीं है। बल्कि एक्ट्रेस का होने वाला पति एक बिजनेसमैन है। खबरों के मुताबिक अनुष्का शेट्टी के दूल्हेराजा उनके फैमिली फ्रेंड हैं। हालांकि, अभी तक यह सामने नहीं आया है कि वह कौन हैं और क्या करते हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं आई है। इस खबर को लेकर फिलहाल अनुष्का शेट्टी ने कोई भी पुष्टि नहीं की है।

गौरतलब है कि एक्ट्रेस लाइमलाइट से दूर हैं और अपने करियर पर ध्यान देती हैं। साउथ लेडी स्टार ने आखिरी बार 2025 में फिल्म घाटी में दमदार भूमिका निभाई थी। इससे पहले अनुष्का मिस शिट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी में नजर आईं थी। एक्ट्रेस ने साउथ में कई ब्लाकबस्टर फिल्मों में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। अनुष्का को सबसे ज्यादा प्रभास स्टारर बाहुबली 2 में देवसेना की भूमिका से स्टारडम मिला है।

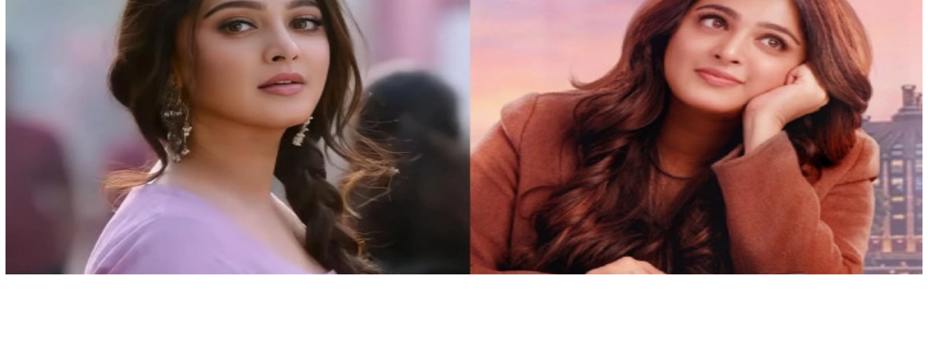

हेट स्टोरी 3 के बाद व्यवसाय ने किया जज जरीन खान ने खोला अपनी 'बोल्ड' इमेज का सच

एक समय में जरीन खान ने अपने हॉटनेस से पर्दा पर जादू डाल दिया था। एक्ट्रेस फिल्मों में कई बोल्ड सीन दे चुकी है। अक्सर फिल्मों में बोल्ड सीन्स देने से हीरोइनों की छवि वैसी ही बन जाती है और फिर उन्हें उसी तरह के रोल ऑफर होने लगते हैं। कई बार तो हीरोइनों को इसकी आलोचना तक झेलनी पड़ती है। जरीन खान ने बॉलीवुड में सलमान खान स्टारर फिल्म वीर से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद एक्ट्रेस ने रेडी में आइटम नंबर किया और फिर हेट स्टोरी 3 में किया। हेट स्टोरी 3 के बाद लोगों का एक्ट्रेस के प्रति नजरिया बदल गया।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में जरीन खान ने बताया कि फिल्म हेट स्टोरी 3 में किए गए बोल्ड सीन्स की वजह से उन्हें इंडस्ट्री में काफी जज किया गया। मैमोथ मीडिया एशिया पॉडकास्ट पर पूजा भट्ट से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जब उन्होंने यह फिल्म की थी, तब कई लोग, खासकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग, उन्हें अलग नजर से देखने लगे थे। कुछ लोग तो यहां तक कहते थे कि वह अच्छी एक्टिंग नहीं कर सकतीं, इसलिए उन्होंने बोल्ड सीन करने का रास्ता चुना।

एक्ट्रेस ने हेट स्टोरी 3 के बाद अक्सर 2 में नजर आई हैं, हालांकि इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान उन्हें इनवाइट तक नहीं किया गया। जब वह फिल्म को कर कर रही थीं, तब उनसे वादा किया गया था कि फिल्म ग्लैमरस होगी, लेकिन हेट स्टोरी 3 की तरह बोल्ड सीन की तरह नहीं होगी। इसको लेकर एक्ट्रेस ने बताया, 'उन्होंने (डायरेक्टर अनंत महादेवन) बहुत ही सधी हुई अंग्रेजी में स्क्रिप्ट सुनाई और कहा, 'हम कोई 'हेट स्टोरी' नहीं बना रहे हैं।

जरीन खान ने आगे बताया, शुरुआत में फिल्म को लेकर कुछ और ही जानकारी दी गई थी। उनसे कहा गया था कि यह एक अलग तरह का 'जॉनर नॉयर' प्रोजेक्ट है। लेकिन जब वह शूटिंग के लिए सेट पर पहुंचीं तो उन्होंने देखा कि लगभग हर दूसरा सीन किस पर खत्म हो रहा था या फिर उन्हें ब्रा जैसे बोल्ड आउटफिट में नजर आना पड़ रहा था। इस पर जरीन ने मेकर्स से साफ कहा कि उन्हें ऐसे सीन करने से समस्या नहीं है, लेकिन शुरुआत में उन्हें फिल्म की कहानी कुछ और बताई गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि शायद पिछली फिल्म हेट स्टोरी 3 की सफलता देखकर ही इस प्रोजेक्ट में इस तरह के सीन जोड़े जा रहे थे।

आगे जरीन खान ने कहा कि, उन्हें पता चला कि वह प्रोड्यूसर्स को कुछ और बताते थे, और उन्हें व व कॉस्ट्यूम डिजाइनर से कुछ और कहते थे। सेट पर बहुत ही ज्यादा दुश्मनी थी। फिर अचानक से प्रोड्यूसर्स उनसे ब्रा सीन्स या किसिंग सीन्स की डिमांड करने लगे क्योंकि उन्होंने पहले भी ऐसी फिल्में की है। एक्ट्रेस ने कहा, 'यह सही नहीं था।'

हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं के गर्भवती होने से मचा हड़कंप, 2 लड़कियां नाबालिग, प्रशासन में सनसनी

रायपुर **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक छात्रावास में रहने वाली कुछ छात्राओं के गर्भवती पाए जाने के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले की जानकारी मिलते ही अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि छात्राएं सरकारी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थीं। इस घटना के सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है।

मामला बीजापुर जिले के गंगालूर स्थित पोटा केबिन छात्रावास का है जहां तीन छात्राएं गर्भवती पाई गई हैं। जानकारी के अनुसार इन छात्राओं का गर्भ करीब पांच महीने का बताया जा रहा है। वहीं हैरान करने वाली जो बात है वो ये है कि गर्भवती छात्राओं में से दो नाबालिग भी हैं। इस घटना के सामने आने के बाद अफरा तफरी मची हुई और कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं जानकारी ये भी सामने आ रही है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से इन छात्राओं का गर्भवती कार्ड भी बनाया गया है। जिससे पता चलता है कि स्वास्थ्य विभाग को इसके बारे में पता था। वहीं छात्रावास अधीक्षिका ने इस मामले से पल्ला झाड़ते हुए कहा है कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस जवाब के बाद और भी ज्यादा सवाल उठने लगे हैं।

वहीं गंगालूर पोटा केबिन छात्रावास में पढ़ने वाली छात्राओं के गर्भवती होने के मामले से सनसनी है, ये घटना शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। लिहाजा छात्रावास के स्टाफ और जिम्मेदार अधिकारियों से पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर छात्राएं किस परिस्थिति में गर्भवती हुईं है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव : 'मेगा-गठबंधन' की आहट!

भाजपा ने सुपरस्टार विजय को दिया डिप्टी मुख्यमंत्री पद का ऑफर, टीवीके को मिल सकती हैं 80 सीटें!

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 से पहले राज्य के सियासी गलियारों में एक बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अभिनेता से राजनेता बने विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के सामने गठबंधन का एक बेहद लुभावना प्रस्ताव रखा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय को तमिलनाडु के डिप्टी मुख्यमंत्री का पद देने का प्रस्ताव दिया है, बशर्ते एनडीए आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव जीत जाए। प्रस्तावित सीट-बंटवारे की व्यवस्था के तहत, भगवा पार्टी ने टीवीके को लगभग 80 सीटें देने का भी प्रस्ताव दिया है। सूत्रों ने बताया कि इस बीच, चुनाव से पहले दोनों पार्टियों के बीच बातचीत अपने अंतिम चरण में पहुँच गई है।

यदि यह कदम सफल होता है, तो इससे राज्य में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं, जहाँ वोट शेयर में छोटे-मोटे बदलाव भी अक्सर कड़े मुकाबले वाली सीटों का नतीजा तय कर देते हैं। सूत्रों ने बताया कि विजय मुख्यमंत्री के पद पर भी नज़र गड़ाए हुए हैं, जो

बातचीत का एक अहम मुद्दा बना हुआ है।

भाजपा अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी को एनडीए के दायरे में लाने के लिए लगातार ज़ोरदार कोशिशें कर रही है। भगवा पार्टी विजय से संपर्क साधने के लिए कई माध्यमों का इस्तेमाल कर रही है; सक्रिय राजनीति में उतरने के बाद से ही उनके राजनीतिक संगठन 'तमिलगा वेट्री कझगम' ने तेज़ी से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। जिन मुख्य माध्यमों पर विचार किया जा रहा है, उनमें से एक में दूसरे राज्य के एक डिप्टी मुख्यमंत्री की भूमिका शामिल है, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे इस संपर्क अभियान में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं।

अभिनेता-राजनेता विजय में भाजपा की दिलचस्पी का मुख्य कारण तमिलनाडु भर में उनके प्रशंसकों की भारी संख्या है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि इस समर्थन का एक छोटा सा हिस्सा भी आगामी विधानसभा चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेताओं का मानना है कि कई सीटों पर 'महज़ दो प्रतिशत वोट भी जीत की दिशा बदल सकते हैं।' तमिलनाडु के चुनावी इतिहास में अक्सर जीत का अंतर बहुत कम रहा है, जिसके चलते वोटों में मामूली बदलाव भी राजनीतिक रूप से काफ़ी अहमियत रखते हैं।

वहीं दूसरी ओर, एनडीए के साथ गठबंधन की संभावना को लेकर विजय के कुछ करीबी सलाहकारों के बीच कथित तौर पर बेचैनी देखी जा रही है। सूत्रों ने बताया कि उनके करीबी लोगों में से कुछ इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इस तरह के कदम से उनके नवगठित राजनीतिक मंच की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ सकता है।

कांग्रेस लोगों में भय का माहौल बना रही है पर्याप्त मात्रा में एलपीजी उपलब्ध है : फडणवीस

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में पर्याप्त मात्रा में एलपीजी उपलब्ध है और लोगों को गैस के लिए कतारों में लगने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच कांग्रेस जानबूझकर लोगों में डर पैदा कर रही है। फडणवीस ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के बढ़ते संघर्ष के कारण देश में रसोई गैस की कमी के दावों से संबंधित सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी और कांग्रेस जानबूझकर लोगों में भय का माहौल बना रहे हैं, जिसके कारण नागरिक एलपीजी सिलेंडरों के लिए लंबी कतारों में खड़े हो रहे हैं। हमारे पास गैस की पर्याप्त आपूर्ति है। कहीं भी कतार में लगने की कोई आवश्यकता नहीं है।' ईरान और ओमान के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

इस बीच, केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह घरेलू उपयोग और अस्पतालों जैसे आवश्यक क्षेत्रों के लिए एलपीजी को प्राथमिकता दे रही है जबकि रेस्तरां सहित गैर-आवश्यक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए इसकी आपूर्ति सीमित की गई है। सरकार ने जोर देकर कहा है कि देश में घरेलू एलपीजी की कोई किल्लत नहीं है।

मणिशंकर अय्यर का पीएम पर बड़ा हमला पूछा- वडनगर में प्लेटफॉर्म नहीं तो चाय कहां बेची?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर निशाना साधा है। जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने राम मंदिर के उद्घाटन और हिंदुत्व के मुद्दे पर तीखी आलोचना की। अय्यर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी शंकराचार्यों को नजरअंदाज करते हुए खुद मंदिर का उद्घाटन किया, जो उनकी नजर में धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है। उनके अनुसार, देश के प्रधानमंत्री का अपना कोई निजी धर्म नहीं होना चाहिए। मुस्लिम समाज और तीन तलाक के मुद्दे पर बोलते हुए अय्यर ने कहा कि बीजेपी इसे लेकर गलत दावे कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि कुरान के अनुसार चार पत्नियां रखना तभी मुमकिन है जब सबका समान ध्यान रखा जाए, जो कि बहुत कठिन है। उन्होंने एक पुरानी जांच समिति (गोपाल सिंह समिति) का हवाला देते हुए दावा किया कि हिंदुओं और सिखों में दो पत्नियां रखने का चलन मुसलमानों से ज्यादा पाया गया था। अय्यर ने सवाल उठाया कि तीन तलाक रोककर मुस्लिम महिलाओं को 'आजाद' करने का दावा करना कैसा हिंदुत्व है।

अय्यर ने 'लव जिहाद' शब्द पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि प्यार में जिहाद या बदला नहीं हो सकता और यह शब्द सिर्फ बीजेपी के लोगों की देन है। इसके अलावा, उन्होंने पीएम मोदी द्वारा उन पर किए गए पुराने हमलों का भी जवाब दिया। अय्यर ने सफाई दी कि उन्होंने प्रधानमंत्री को 'नीच' नहीं बल्कि 'नीच किस्म का आदमी' कहा था और उनके शब्दों को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने पीएम मोदी के ऐतिहासिक ज्ञान पर भी सवाल उठाए और कहा कि जिन्हें नालंदा और तक्षशिला की सही जानकारी नहीं, वे नेहरू की जगह कैसे ले सकते हैं। प्रधानमंत्री के 'चाय बेचने वाले' अतीत पर भी अय्यर ने बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के गृहनगर वड़नगर में 1973 तक कोई रेलवे प्लेटफॉर्म ही नहीं था, तो उन्होंने चाय कहां बेची? अय्यर ने आरोप लगाया कि इस तरह के झूठे दावों और अफवाहों के जरिए वे सत्ता तक पहुंचे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश में मुसलमानों के खिलाफ ऐसी बातें फैलाई गई हैं जिससे आज का समाज पूरी तरह सांप्रदायिक हो गया है।

कोलकाता में टीएमसी-भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प के मामले में 9 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से पूर्व टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प के मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार देर रात चार लोगों को जबकि आज सुबह पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, 'झड़पों के संबंध में अबतक नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है।' तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों के बीच शनिवार को मध्य कोलकाता में ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री की रैली से लगभग आधा घंटा पहले झड़प हुई थीं। आरोप है कि इस दौरान गिरिश पार्क इलाके में पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा के आवास पर पत्थर फेंके गए। हिंसा रैली स्थल से लगभग पांच किलोमीटर दूर हुई जब भाजपा समर्थक प्रधानमंत्री की जनसभा में शामिल होने जा रहे थे।

पश्चिम एशिया संघर्ष के नाजुक माहौल में भी 'नादानी' से बाज नहीं आ रहे राहुल गांधी-मोहन

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के नाजुक माहौल में भी नादानी का परिचय देते हुए रसोई गैस को लेकर अनर्गल राजनीति कर रहे हैं। यादव, बुरहानपुर जिले के नेपानगर में जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध में तेल के ठिकाने तबाह हो रहे हैं। युद्ध पूरे एशिया के मुहाने पर खड़ा है, लेकिन कांग्रेस ऐसे मुश्किल वक्त में भी रसोई गैस के मुद्दे पर अनर्गल राजनीति कर रही है।'' यादव ने कहा कि घरेलू और वाणिज्यिक उपयोग की रसोई गैस की भारत में कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, ''इस मामले में केवल कांग्रेस को कष्ट है जिसके नेता (रसोई गैस के मुद्दे पर) आंदोलन का नाटक कर रहे हैं।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबको पता है कि भारत को तेल और गैस के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के नाजुक माहौल में भी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी नादानी से बाज नहीं आ रहे हैं और अनर्गल राजनीति कर रहे हैं। यादव ने कहा कि अगर गांधी इसी तरह राजनीति करते रहे, तो कांग्रेस अगले 50 साल तक सत्ता से दूर रहेगी क्योंकि जनता सब जानती है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने पर भी कांग्रेस नेता कथित रूप से अनर्गल बयान दे रहे थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीय विद्यार्थियों को सुरक्षित बाहर निकलवाया था। यादव ने कहा, ''कांग्रेस नेता राहुल गांधी को न जाने कहां से ढूंढकर लाए हैं। गांधी लोकतंत्र का जब-तब मजाक बनाते रहते हैं। भारत में चुनौतियां सामने आती हैं, वह विदेश में गुलछर्रे उड़ाते हैं। फिर वह कहते हैं कि लोकसभा में उन्हें बोलने का समय नहीं दिया जाता है।'' उन्होंने कहा कि गांधी जब भी संसद में बोलते हैं, कांग्रेस का बेड़ा गर्क कर देते हैं। मुख्यमंत्री ने जनजातीय सम्मेलन के दौरान बुरहानपुर जिले में कुल 363 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने पुरातत्व विभाग के साथ मिलकर असीरगढ़ के किले के जीर्णोद्धार और किले में पर्यटन सुविधाओं के विकास की घोषणा भी की।

नेपाल में भीषण सड़क दुर्घटना

मनकामना मंदिर से लौट रहे 7 भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत, 7 अन्य घायल

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल के मध्य क्षेत्र में स्थित गंडकी प्रांत से एक अत्यंत हृदयविदारक खबर सामने आई है। शनिवार को भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गई, जिससे सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब तीर्थयात्री गोरखा जिले के प्रसिद्ध मनकामना मंदिर में दर्शन करने के बाद वापस लौट रहे थे। बस जैसे ही गोरखा जिले के पहाड़ी रास्ते पर पहुँची, वह अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी।

गोरखा जिले के जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं और ये सभी भारतीय नागरिक हैं।जिला पुलिस कार्यालय प्रमुख भरत बहादुर बीके के अनुसार, पीड़ितों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में की गई है।

'काठमांडू पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, सात अन्य घायल यात्रियों को बचा लिया गया है और उनका आंबुखैरेनी के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। 'हिमालयन टाइम्स' के अनुसार, इलेक्ट्रिक बस का चालक बाल-बाल बच गया, जबकि उसका सहायक इस घटना में घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

डोनाल्ड ट्रंप की 'विनाशकारी' चेतावनी!

'बस मजे के लिए' ईरान के खर्ग द्वीप पर फिर करेंगे हमला, वैश्विक तेल बाज़ार में मचा हड़कंप

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नई चेतावनी जारी की है कि अमेरिका ईरान के तेल-समृद्ध खर्ग द्वीप पर और हमले कर सकता है। उन्होंने कहा कि हाल के हमलों में यह सुविधा पहले ही काफी हद तक नष्ट हो चुकी है, लेकिन इसे 'बस मजे के लिए' कुछ और बार फिर से निशाना बनाया जा सकता है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का शनिवार को तीसरा हफ्ता शुरू हो गया, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर संघर्ष बढ़ने और वैश्विक तेल आपूर्ति में रुकावट आने की आशंकाएं बढ़ गई हैं। एनबीसी न्यूज़ से बात करते हुए, और जैसा कि 'द टाइम्स ऑफ़ इज़राइल' ने बताया है, ट्रंप ने कहा कि हाल के अमेरिकी हवाई हमलों ने ईरान के मुख्य तेल निर्यात टर्मिनल, खर्ग द्वीप के अधिकांश हिस्से को 'पूरी तरह से तबाह' कर दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि तेहरान संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत करने को तैयार लग

रहा था, लेकिन प्रस्तावित शर्तें वाशिंगटन को मंज़ूर नहीं थीं। उन्होंने कहा, 'शर्तें अभी उतनी अच्छी नहीं हैं, ' और साथ ही जोड़ा कि 'हम इसे बस मजे के लिए कुछ और बार निशाना बना सकते हैं।'

खर्ग द्वीप, जो ईरान के दक्षिणी तट से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित है, देश के लगभग 90इ कच्चे तेल के निर्यात को संभालता है। यह सुविधा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज़ जलडमरूमध्य के पास स्थित है, जिससे दुनिया की लगभग पाँचवाँ हिस्सा तेल आपूर्ति गुज़रती है। वहाँ किसी भी तरह की लगातार रुकावट वैश्विक ऊर्जा की कीमतों को तेज़ी से बढ़ा सकती है और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव डाल सकती है। यह ताज़ा चेतावनी उस घटना के बाद आई है जिसे अमेरिकी अधिकारियों ने हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक बताया था। व्हाइट हाउस के अनुसार, अमेरिकी सेना ने खर्ग द्वीप पर सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया, लेकिन जानबूझकर प्रमुख तेल सुविधाओं को नष्ट करने से परहेज़ किया।

'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए ट्रंप ने लिखाः 'कुछ ही देर पहले, मेरे निर्देश पर, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने मध्य पूर्व के इतिहास में सबसे शक्तिशाली बमबारी हमलों में से एक को अंजाम दिया, और ईरान के 'ताज के गहने' कहे जाने वाले खर्ग द्वीप पर मौजूद हर सैन्य लक्ष्य को पूरी तरह से तबाह कर दिया।' इसके साथ ही, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि वाशिंगटन ने द्वीप के तेल बुनियादी ढांचे पर हमला न करके संयम दिखाया है।

इस्फहान पर नई एयरस्ट्राइक में 15 लोगों की मौत ईरान ने जवाब में यूएस ठिकानों पर बरसाई मिसाइलें कहा-अब हर अमेरिकी सैनिक निशाने पर

तेहरान **(एजेंसी)**। मध्य ईरान के प्रमुख शहर इस्फहान पर रविवार तड़के नए हवाई हमले किए गए, जिसके बाद शहर के ऊपर धुएं के घने गुबार उठते देखे गए। रिपोर्ट के अनुसार हमलों के बाद सामने आए वीडियो में इलाके के ऊपर सैन्य जेट विमानों को नीचे उड़ते हुए देखा गया। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस्फहान प्रांत के शाहिन शहर में हुए एक हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए। बताया जा रहा है कि इस हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़ी इमारतों को निशाना बनाया गया था, और इस इलाके में सेना तथा सुरक्षा स्थलों के पास धमाकों की खबरें मिली हैं। ये घटनाएं ऐसे समय सामने आई हैं जब पश्चिम एशिया में ईरान और उसके विरोधियों के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है। इन हमलों के जवाब में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4' के तहत मिसाइल और ड्रोन हमलों की नई लहर शुरू की है। सरकारी मीडिया के अनुसार इस अभियान में तरल और ठोस ईंधन वाली मिसाइलें और सटीक हमले करने वाले ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। आईआरजीसी के अनुसार इस बार का मुख्य लक्ष्य अल खरज एयर बेस था, जो सऊदी अरब में स्थित एक महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य अड्डा है। ईरान का दावा है कि इसी बेस से एफ -35 लाइटनिंग 2 और एफ-16 फाइटिंग फाल्कन जैसे लड़ाकू विमान हमलों के लिए उड़ान भर रहे थे।

इजरायल का बेरूत में बड़ा हमला : हिज़्बुल्लाह के एलीट कमांड सेंटर तबाह, मौतों का आंकड़ा 826 पार

यरुशलम **(एजेंसी)**। मध्य-पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर बड़े हवाई हमले किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन हमलों में हिज़्बुल्लाह की एलीट यूनिट के कमांड सेंटर को निशाना बनाया गया। इजरायली सेना इज़राइल रक्षा बल ने कहा कि उसने हिज़्बुल्लाह की विशेष इकाई रदवान फ़ोर्स के 'कमांड सेंटर' को निशाना बनाया। यह इकाई हिज़्बुल्लाह की सबसे प्रशिक्षित और आक्रामक लड़ाकू इकाइयों में मानी जाती है, जो इजरायल के खिलाफ सीमा पार अभियानों के लिए जानी जाती है।

इजरायल ने बताया कि दक्षिण लेबनान के अल-कत्रानी क्षेत्र में मौजूद हिज़्बुल्लाह के कई रॉकेट लॉन्च साइट्स को भी नष्ट किया गया। इन हमलों का उद्देश्य संगठन की सैन्य क्षमता को कमजोर करना बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिकी-इजरायली सैन्य अभियान के बाद से लेबनान में हिंसा का भारी असर पड़ा है। अब तक कम से कम 826 लोगों की मौत व हजारों लोग घायल हो चुके हैं। कई इलाकों में भारी तबाही की खबरें सामने आई हैं। संघर्ष के बीच लेबनान ने संकेत दिया है कि वह इजरायल के साथ सीधी शांति वार्ता के लिए तैयार हो सकता है।

हालांकि लेबनानी संसद के स्पीकर नबीह बेरी ने कहा कि किसी भी बातचीत से पहले सीजफायर जरूरी होगा। रिपोर्ट के अनुसार इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने करीबी सलाहकार रॉन डर्मर को संभावित वार्ता का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है। वहीं अमेरिका की ओर से जेरेड कुशनेर भी इस प्रक्रिया में भूमिका निभा सकते हैं। बताया जा रहा है कि संभावित वार्ता पेरिस या साइप्रस में हो सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि अगर संघर्ष और बढ़ावा तो इजरायल लेबनान में 2006 के युद्ध के बाद सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू कर सकता है।

पेरिस में आमने-सामने अमेरिका और चीन, ट्रंप की बीजिंग यात्रा की तैयारी

बीजिंग **(एजेंसी)**। निया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच अहम व्यापार वार्ता रविवार को पेरिस में शुरू हो गई। इन बातचीतों का नेतृत्व अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट और चीन के उपप्रधानमंत्री हे लिफेंग कर रहे हैं। विश्लेषकों के अनुसार यह बैठक आने वाले दिनों में होने वाली डोनाल्ड ट्रम्प और शी चिनफिंग की व्हाइट हाउस के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप 31 मार्च से 2 अप्रैल के बीच चीन की यात्रा कर सकते हैं। यदि यह यात्रा होती है तो यह ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में उनकी पहली चीन यात्रा होगी। इससे पहले वह 2017 में राष्ट्रपति रहते हुए बीजिंग गए थे। अमेरिका और चीन के बीच पिछले वर्षों में टैरिफ युद्ध के कारण व्यापारिक संबंधों में भारी तनाव रहा है। हालांकि पिछले साल दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई मुलाकात के दौरान दोनों देशों ने एक साल के लिए व्यापार युद्ध पर विराम देने पर सहमति जताई थी। इसके बावजूद कई मुद्दे अब भी विवाद का कारण बने हुए हैं, जिनमें शामिल हैं अमेरिकी टैरिफ जांच, व्यापार असंतुलन तकनीकी प्रतिस्पर्धा, ईरान संकट भी चर्चा का विषय बैठक में मध्य-पूर्व की स्थिति भी चर्चा का विषय बन सकती है, खासकर ईरान से जुड़े संघर्ष और वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताओं पर। ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि दुनिया के कई देश, जिनमें चीन भी शामिल है, होरमुज़ जलसंधि को सुरक्षित और खुला रखने के लिए नौसैनिक सहयोग दें।

जेलेंस्की की पेशकश पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप, बोले- तुम्हारी ड्रोन मदद नहीं चाहिए

कीव **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में गहराते युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती दिख रही है। जेलेंस्की ने हाल ही में अमेरिका और उसके सहयोगियों को ईरानी 'शाहिद' ड्रोन्स को गिराने में मदद की पेशकश की थी। उन्होंने कहा था कि यूक्रेन के पास रूसी हमलों के दौरान इन ड्रोन्स को रोकने का बड़ा अनुभव है, जिसे वे कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों के साथ साझा करने के लिए अपनी टीमें भी भेज चुके हैं।

एनबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने जेलेंस्की के इस प्रस्ताव को सीधे तौर पर खारिज कर दिया। ट्रंप ने तीखे शब्दों में कहा, 'हमें उनकी मदद की जरूरत नहीं है।' उन्होंने आगे यहां तक कह दिया कि जेलेंस्की आखिरी व्यक्ति हैं जिनसे वे मदद मांगना चाहेंगे। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे बेहतरीन ड्रोन तकनीक है और वे इसे संभालने में सक्षम हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने जेलेंस्की की आलोचना करते हुए उन्हें 'डील करने में मुश्किल' इंसान बताया और कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन तो समझौते के लिए तैयार हैं, लेकिन जेलेंस्की नहीं। जेलेंस्की की इस पेशकश पर ईरान ने भी कड़ा रुख अपनाया है। एक ईरानी राजनेता ने चेतावनी दी है कि यदि यूक्रेन ने ईरानी ड्रोन्स के खिलाफ तकनीक या विशेषज्ञों की मदद दी, तो पूरा यूक्रेन ईरान के लिए एक 'वैध और कानूनी सैन्य लक्ष्य' बन जाएगा। ईरान का आरोप है कि कीव प्रशासन इस युद्ध में सीधे तौर पर अमेरिका और इजराइल का साथ दे रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से दुनिया भर में तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। इस संकट से निपटने के लिए ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लेते हुए रूसी तेल पर लगे कुछ प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटा दिया है।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।